शुक्रवार, 27 जून 2025

मौसम

तापमान 25 – 30
आर्द्रता 85%
सूर्योदयः 4:54 सूर्यास्तः 18:25

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

आपको भक्ति और आध्यात्मिक ज्ञान से भरी जगन्नाथ रथ यात्रा की शुभकामनाएं।

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, आषाढ़ शुक्लपक्ष द्वितीया, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : लोग बदलते नहीं हैं बस उनका सच धीरे-धीरे सामने आता है।

साइबर अपराधी 700 बैंक शाखाओं में खोले 8.5 लाख फर्जी खातों का कर रहे इस्तेमालः सीबीआई

42 ठिकानों पर एक साथ चलाया तलाशी अभियान

नयी दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 700 से अधिक बैंक शाखाओं में लगभग 8.5 लाख ऐसे 'फर्जी या निष्क्रिय खातों' का पता लगाया है जिनका इस्तेमाल डिजिटल चोरी, धोखाधड़ी वाले निवेश और यूपीआई- आधारित धांधली से अर्जित अवैध कमाई को ठिकाने लगाने के लिए किया जा रहा था। जांच अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि इन फर्जी खातों पर कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने हाल ही में राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में 42 ठिकानों पर एक साथ

तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान नौ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया जिनमें कथित बिचौलिये, एजेंट, एग्रीगेटर, खाताधारक और बैंकिंग प्रतिनिधि शामिल हैं। इन पर फर्जी खाते खोलने में मदद करने का आरोप है। 'फर्जी खाता' ऐसा बैंक खाता होता है जो किसी ऐसे व्यक्ति के नाम पर खोला जाता है, जिसे शायद पता भी न हो कि उसके खाते का इस्तेमाल अवैध धन को सफेद करने के लिए किया जा रहा है। सीबीआई ने अपनी जांच में पाया कि इन खातों को अक्सर फर्जी पहचान पत्रों का उपयोग करके खोला जाता था ताकि पीड़ितों से हड़पी राशि को निकालने के बाद इन्हें फौरन बंद किया जा सके। इसकी वजह से अपराधियों को पकड़ पाना मुश्किल हो जाता है। सीबीआई के प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चला है कि कुछ बैंक अधिकारी, ई-मित्र एजेंट और अन्य बिचौलिये भी इन धोखेबाजों के साथ सक्रिय रूप से मिले हो सकते हैं, जिन्होंने खाते खोलने और अवैध निकासी को अंजाम देने में मदद की। सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि जांच के दौरान कई बैंकों में प्रणालीगत खामियां उजागर हुई हैं। देशभर में फैली 700 से अधिक शाखाओं में लगभग 8.5 लाख फर्जी खाते उचित केवाईसी मानदंडों, ग्राहक की जांच, या प्रारंभिक जोखिम मूल्यांकन के बगैर खोल दिए गए थे। इसके साथ ही कई बैंक शाखा प्रबंधक संदिग्ध लेनदेन का अलर्ट मिलने पर भी गंभीरता से ध्यान देने में विफल रहे। सीबीआई ने ग्राहक के पते की प्रामाणिकता की पुष्टि न करने जैसी खामियां भी पाई हैं। इस जांच के बाद सीबीआई ने आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत बैंक अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कदाचार को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज की है।

निर्वाचन आयोग पिछले दरवाजे से एनआरसी लागू करने की कोशिश कर रहा : ममता

- वोटर लिस्ट संशोधन पर भड़कीं मुख्यमंत्री, कहा... 'चुनाव आयोग बना भाजपा का औजार'
- मुख्यमंत्री का आरोप... 'यह एनआरसी से भी ज्यादा खतरनाक साजिश'

पूर्व मेदिनीपुर : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को भारत निर्वाचन आयोग पर जुलाई 1987 से दिसंबर 2004 के बीच जन्मे मतदाताओं को अलग-थलग करने और 'मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण' के नाम पर उनकी नागरिकता के दस्तावेजी सबूत मांगने के लिए निशाना साधा। ममता बनर्जी ने आयोग पर भाजपा की कठपुतली की तरह काम करने का आरोप लगाते हुए पूछा कि क्या यह कदम राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को पिछले दरवाजे से लागू करने का प्रयास तो नहीं है? मुख्यमंत्री पूर्वी मेदिनीपुर जिले के तटीय शहर दीघा में संवाददाताओं को संबोधित कर रही थीं। ममता ने कहा कि मुझे निर्वाचन आयोग से दो पत्र मिले हैं और प्रत्येक पत्र 25 से 30 पृष्ठों का है। मैं अब तक उन्हें विस्तार से नहीं पढ़ पाई हूं। लेकिन मैंने जो कुछ भी सरसरी तौर पर समझा है, उसके अनुसार आयोग अब एक जुलाई 1987 से दो दिसंबर 2004 के बीच जन्मे मतदाताओं से घोषणा पत्र मांग रहा है और यहां उन्हें नागरिकता के प्रमाण के रूप में माता-पिता दोनों के जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं निर्वाचन आयोग के इस कदम या इन तिथियों को चुनने के पीछे के तर्क को नहीं समझ पा रही हूं। यह किसी घोटाले से कम नहीं है। मैं आयोग से स्पष्टीकरण चाहती हूं कि क्या वे पिछले दरवाजे से एनआरसी को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। वास्तव में, यह एनआरसी से भी ज्यादा खतरनाक लगता है।

'बिहार नहीं, बल्कि बंगाल असली निशाना'

ममता बनर्जी ने खुलासा किया कि ये पत्र बिहार सरकार को भेजे गए थे और इसकी एक प्रति उन्हें भी भेजी गई। ममता ने आरोप लगाया कि बिहार में कुछ नहीं होगा क्योंकि भाजपा उस राज्य में शासन करती है और वहां विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। उनका असली निशाना बंगाल है। वे वैध युवा मतदाताओं के नाम हटाना चाहते हैं। कई माता-पिता अपना जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाएंगे। वे बंगाल के प्रवासी श्रमिक समुदाय, विद्यार्थियों, ग्रामीणों और अशिक्षित मतदाताओं को निशाना बना रहे हैं।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त विमान के ब्लैक बॉक्स से डेटा निकाल रहे हैं : सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि 12 जून को अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान के ब्लैक बॉक्स से डेटा निकाला जा रहा है और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर तथा फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर का विश्लेषण किया जा रहा है। सरकार ने इस दुर्घटना में 270 लोगों के मारे जाने के करीब 15 दिन बाद इस घटना की जांच को लेकर जानकारी दी है। बयान में कहा गया है, ''कॉकपिट वॉइस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) का विश्लेषण किया जा रहा है। इन प्रयासों से दुर्घटना की कड़ियां जोड़ने और विमानन सुरक्षा को बढ़ाने व भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अहम कारकों की पहचान करने में मदद मिलेगी।''

शुभांशु शुक्ला, तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में दाखिल

नयी दिल्ली : भारत के शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के धरती से 28 घंटे की यात्रा के बाद बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में प्रवेश करने पर वहां के चालक दल के सदस्यों ने उन्हें गले लगाकर और हाथ मिलाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। ड्रैगन श्रृंखला के पांचवें अंतरिक्ष यान, जिसका नाम ग्रेस है, को उत्तरी अटलांटिक महासागर के ऊपर भारतीय समयानुसार अपराह्न 4:01 बजे अंतरिक्ष स्टेशन के हार्मनी मॉड्यूल के साथ वहां संचार, विद्युत संपर्क और दबाव स्थिरीकरण स्थापित करने में दो घंटे का समय लगा। नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एक्सिओम 4 के चालक दल-कमांडर पैगी व्हिटसन, इसरो के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, पोलिश इंजीनियर स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की, और मिशन विशेषज्ञ टिबोर कापू ड्रैगन अंतरिक्ष यान से बाहर निकले और पृथ्वी की निचली कक्षा में अपने घर पर नजर डाली।'' यह पहली बार है जब कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर पहुंचा है।

बच्चे की तरह चलना, खाना-पीना सीख रहा हूं, इस अनुभव का आनंद ले रहा हूं : शुभांशु शुक्ला

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण की स्थितियों में ''एक बच्चे की तरह'' रहना सीख रहे हैं और जब ड्रैगन अंतरिक्ष यान अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ने की अपनी यात्रा में पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा था तो निर्वात में तैरना एक अद्भुत अनुभव था। अंतरिक्ष यान से एक वीडियो लिंक के जरिए अपना अनुभव साझा करते हुए शुक्ला ने कहा कि बुधवार को एक्सिओम-4 मिशन के प्रक्षेपण से पहले 30 दिनों तक पृथक वास के दौरान बाहरी दुनिया से पूरी तरह दूर रहने के बाद ''मेरे दिमाग में केवल यही विचार आया था कि हमें बस जाने दिया जाए।''

अमेरिका ने वीजा आवेदकों से सोशल मीडिया यूजरनेम मांगे

नयी दिल्ली : प्रत्येक वीजा पर लिए गए फैसले को ''राष्ट्रीय सुरक्षा निर्णय'' बताते हुए अमेरिका ने आवेदकों से पिछले पांच वर्षों में उनके द्वारा उपयोग किए गए प्रत्येक सोशल मीडिया मंच के 'हैंडल' या 'यूजरनेम' की जानकारी साझा करने को कहा है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने बृहस्पतिवार को जारी एक संक्षिप्त बयान में यह जानकारी साझा की, जिसमें सोशल मीडिया संबंधी सूचना को साझा नहीं करने के प्रति भी आगाह किया गया, क्योंकि इससे ''वीजा आवेदन अस्वीकृत हो सकता है और भविष्य में वीजा के लिए अयोग्य ठहराया'' जा सकता है।

पहलगाम आतंकी हमले को नजरअंदाज किये जाने से राजनाथ सिंह ने एससीओ के बयान पर हस्ताक्षर से इनकार किया

चिंगदाआ : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहलगाम आतंकवादी हमले को नजरअंदाज करने और पाकिस्तान समर्थित सीमा पार आतंकवाद पर भारत की चिंताओं को स्पष्ट रूप से संबोधित नहीं करने को लेकर बृहस्पतिवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। मामले से परिचित व्यक्तियों ने बताया कि एससीओ आम सहमति के तहत काम करता है, लिहाजा वक्तव्य का समर्थन करने से सिंह के इनकार के परिणामस्वरूप एससीओ रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन संयुक्त वक्तव्य जारी किए बिना ही समाप्त हो गया। जानकारों ने कहा कि मसौदा वक्तव्य में न तो पहलगाम आतंकवादी हमले का उल्लेख किया गया और न ही सीमा पार आतंकवाद को लेकर भारत के रुख का जिक्र किया गया। सम्मेलन में अपने संबोधन में सिंह ने सीमा पार आतंकवाद को लगातार समर्थन देने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की तथा आतंकवाद के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को नीति के एक साधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं और आतंकवादियों को पनाह देते हैं। ऐसे दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए।

शेयर बाजार में तेजी से तीन सत्र में निवेशकों की संपत्ति 9.70 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

नयी दिल्ली : भू-राजनीतिक तनाव कम होने के बाद बढ़ती सकारात्मक धारणा के बीच बाजार में तीन सत्र में तेजी से निवेशकों की संपत्ति 9.70 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 1,000.36 अंक चढ़कर 83,755.87 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 1,056.58 अंक की बढ़त के साथ 83,812.09 अंक पर पहुंच गया था। सेंसेक्स में तीन सत्र में 1,859.08 अंक या 2.27 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। बीएसई में शामिल कंपनियों का बाजार पूंजीकरण तीन सत्र में 9,70,200.71 करोड़ रुपये बढ़कर 4,57,52,700.57 करोड़ रुपये हो गया। बीएसई में 2,097 शेयर में तेजी आई, 1,900 में गिरावट आई तथा 156 शेयर में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निर्वाचन आयोग ने 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू की

नयी दिल्ली : भारत निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू कर दी है, जो 2019 से पिछले छह वर्षों में एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में भी विफल रहे हैं। आयोग ने बताया कि इन राजनीतिक दलों के कार्यालय का भी कहीं भौतिक तौर पर पता नहीं लगाया जा सका। इसने कहा कि ये 345 राजनीतिक दल देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। अधिकारियों ने बताया कि 2001 से अब तक चुनाव आयोग ने निष्क्रिय आरयूपीपी को समाप्त करने की प्रक्रिया ''तीन से चार'' बार पूरी की है। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों की ''मान्यता समाप्त'' करने से यह कहते हुए रोक दिया था कि ऐसा करना कानून के तहत विहित नहीं है।

गगनयान अभियान की आधारशिला हैं मिशन

अमेरिका के एक्सियम-4 मिशन में तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिये भारतीय शुभांशु शुक्ला का रवाना होना, निश्चय ही भारत के लिए अंतरिक्ष में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह गर्व की बात है कि स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के अंतरिक्ष में कदम रखने के 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में पहुंचा है। दरअसल, ह्यूस्टन स्थित एक्सियम स्पेस नामक अमेरिकी कंपनी ने यह मिशन नासा व स्पेस एक्स के साथ मिलकर शुरू किया है। इस मिशन में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ पौलेंड, हंगरी व अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री भी हैं। यूं तो अंतरिक्ष यात्रियों में कल्पना चावला व सुनीता विलियम्स का नाम लिया जाता है, लेकिन वे भारतीय मूल की थीं, भारतीय नहीं। दरअसल, एक्सियम-4 का सफल प्रक्षेपण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे भारत के महत्वाकांक्षी मानव मिशन गगनयान की पहली सीढ़ी माना जा रहा है। इस मिशन के अनुभवों से गगनयान अभियान की सफलता में मदद मिलेगी। दरअसल, गगनयान भारत का पहला स्वदेशी मानव मिशन है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 2027 में अंतरिक्ष मिशन पर भेजा जाना है। एक्सियम-4 मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुए समझौते ने गति दी थी। जिसके चलते हम चार दशक बाद किसी दूसरे भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने में सफल हो सके। कई तकनीकी कारणों से इस उड़ान में विलंब हुआ, लेकिन अंततः अंतरिक्ष यान का सफल प्रक्षेपण संभव हुआ। दरअसल, गगनयान के अलावा इसरो भारत के कई महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें वर्ष 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाना और किसी भारतीय को चांद पर भेजना शामिल है। एक्सियम-4 मिशन को इन्हीं महत्वाकांक्षी अभियानों की आधारशिला बताया जा रहा है। एक अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को जो अनुभव मिलेंगे, उसका लाभ हमारे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों को कामयाब बनाने में मिलेगा, क्योंकि इसरो को अभी तक अंतरिक्ष में मानव मिशन का अनुभव नहीं है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1984 में भारतीय वायुसेना के अधिकारी राकेश शर्मा ने तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन पर लगभग आठ दिन बिताए थे। अब इस कड़ी में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का नाम भी जुड़ गया है। जिनका अनुभव निकट भविष्य में होने वाले अंतरिक्ष मिशनों में मददगार साबित होगा। निस्संदेह, पिछले एक दशक में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। चंद्रयान और मंगलयान अभियान की सफलता ने इसरो की क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। मोदी सरकार का आत्मनिर्भरता पर जोर स्वदेशी तकनीक और लागत प्रभावी समाधानों के जरिये रहा है। भारत की कोशिश है कि मानवयुक्त उड़ानों के लिये उसे अमेरिका व रूस पर निर्भर न रहना पड़े। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें चीन हमसे आगे है। भारत का महत्वाकांक्षी गगनयान अभियान इसी दिशा में इसरो की पहल है, ताकि भारत भी रूस, अमेरिका व चीन के समकक्ष वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभर सके। इसी कड़ी में भारत 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की भी महत्वाकांक्षा रखता है। ये असंभव नहीं है, लेकिन अभी हमें इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है। दरअसल, एक्सियम-4 मिशन इसरो के लिये अनुसंधान के दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण है। आईएसएस पर वैज्ञानिक अध्ययन व अनुसंधान की गतिविधियों में दुनिया के लगभग तीस देश शामिल होंगे। निस्संदेह, भारत को इस स्थिति का पूरा लाभ उठाना चाहिए। ताकि भविष्य में स्वदेशी मिशनों में ये अनुभव लाभदायक साबित हो सके। उल्लेखनीय है कि शुभांशु शुक्ला समेत एक्सियम-4 की टीम बीज अंकुरण और अंतरिक्ष में पौधे किस तरह उगते हैं, पर भी अध्ययन करेगी। साथ ही यह जानने की कोशिश होगी कि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण शून्य होने पर पौधे कैसे उगते हैं। साथ ही इन पौधों में धरती के पौधों से इतर कई विशेषताएं होंगी। दरअसल, इस मिशन के दौरान साठ से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किये जाने हैं। भारत के वैज्ञानिकों ने सात प्रयोगों का सुझाव दिया है। भारत पहली बार एस्ट्रो-बायोलॉजी के प्रयोग करेगा। जिसमें इसरो व नासा की भी भागीदारी होगी।

आज का पंचांग

कोलकाता : 27 जून, शुक्रवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, आषाढ़ शुक्लपक्ष द्वितीया, 11:24 तक, नक्षत्र : पुनर्वसु, 07:21 तक, योग : व्याघात, 21:10 तक, सूर्योदय: 4:54, सूर्यास्त: 18:25, चन्द्रोदय : 06:31, चन्द्रास्त: 20:25, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : मिथुन, चन्द्र राशि : कर्क, राहू काल : 09:59 से 11:39

राशिफल

मेष : मेष राशि वालों को करियर में नई संभावनाएं दिखाई देंगी। जो लोग नौकरी बदलने की सोच रहे हैं, उन्हें कोई बेहतर प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार में बड़ा मुनाफा मिलने से काफी खुशी होगी।

वृष : वृषभ राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है और आपका आर्थिक पक्ष मजबूत हो रहा है। नौकरीपेशा लोगों को सैलेरी बढ़ने या इंक्रीमेंट की खबर मिल सकती है।

मिथुन : मिथुन राशि के लोगों का कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा, लेकिन अधिक व्यस्तता बनी रहेगी। अचानक कोई बड़ा खर्च सामने आ सकता है, इसलिए बजट बनाकर चलें।

कर्क : कर्क राशि के लोगों का दिन लाभ से भरा होगा। साझेदारी के व्यापार या कंसल्टेंसी क्षेत्र में विशेष लाभ होगा। जो लोग अपने व्यवसाय को विस्तार देना चाहते हैं उन्हें साझेदारों से अच्छा सहयोग मिलेगा।

सिंह : सिंह राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है और आपके लिए उन्नति के योग बन रहे हैं। आपको अपने बॉस और वरिष्ठ लोगों से प्रशंसा प्राप्त होगी। आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

कन्या : कन्या राशि के लोगों को लाभ होगा और कार्यक्षेत्र में आप बड़े प्रभावशाली निर्णय लेंगे। नौकरीपेशा लोग अपने विचारों से सहकर्मियों और वरिष्ठों को प्रभावित करेंगे।

तुला : तुला राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होने के योग हैं। आपकी आर्थिक योजनाएं गति पकड़ेंगी। प्रॉपर्टी या वाहन में निवेश के संकेत हैं। आपको अधिक सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों का दिन तरक्की से भरा होगा और आपकी आर्थिक योजनाएं सफल साबित होंगी। आर्थिक मामलों में चतुराई से निर्णय लें। साझेदारी व्यापार में पारदर्शिता बनाए रखें।

धनु : धनु राशि वालों का भाग्य साथ दे रहा है। आपको नौकरी और कारोबार में नए अवसर मिल सकते हैं। यदि आप कोई इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो सफलता मिलने के संकेत हैं।

मकर : मकर राशि के लोगों के लिए तरक्की के योग बने हैं। आपको आर्थिक मामलों में थोड़ी सतर्कता बरतने की जरूरत है। बिजनस में अचानक खर्चों की अधिकता हो सकती है।

कुम्भ : कुंभ राशि वालों का दिन लाभ और तरक्की से भरा होगा। धन के नए स्रोत सामने आएंगे। नौकरी में आपको कोई प्रॉजेक्ट लीड करने का मौका मिल सकता है।

मीन : मीन राशि वालों के लिए दिन आर्थिक दृष्टिकोण से स्थिर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए विचारों से आपको पहचान मिलेगी। आपके घर में अचानक से किसी मेहमान का आगमन हो सकता है।

सामाजिक समरसता और जातीय टकराव के बीच बंटी राजनीति

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में गहरी चिंता व्यक्त की कि किस प्रकार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हिन्दू समाज को एकजुट करने के प्रयासों के विपरीत, कुछ गैर-भाजपा राजनीतिक दल और उनके समर्थक तत्व योजनाबद्ध ढंग से हिन्दू समाज को जातियों के नाम पर बांटने का षड्यंत्र रच रहे हैं। उन्होंने इसे एक गैर-राजनैतिक साजिश की संज्ञा दी और कहा कि यह केवल सत्ता की राजनीति नहीं बल्कि सनातन संस्कृति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता पर सीधा हमला है। योगी का यह बयान उस समय आया जब कथावाचक मुकुट मणि यादव का विवाद सुर्खियां बटोर रहा था। दरअसल,मुकुटमणि यादव ने हाल ही में एक धार्मिक आयोजन के दौरान विवादित बयान दिया था जिसको लेकर हंगामा शुरू हो गया, जिसमें उन्होंने (मुकुटमणि यादव) कुछ ऐतिहासिक और धार्मिक संदर्भों पर टिप्पणी की थी। इस बयान को लेकर सोशल मीडिया पर बवाल मच गया और देखते ही देखते यह मामला राजनीतिक रंग लेने लगा। शुरुआत में तो यह एक धार्मिक और सामाजिक बहस का मुद्दा था, लेकिन जल्द ही विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने इसे अपने-अपने तरीके से भुनाना शुरू कर दिया। समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं ने मुकुट मणि यादव के समर्थन में बयान देते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मुद्दा बताया। उनका कहना था कि यादव ने जो कहा, वह ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और इसमें कोई आपत्तिजनक बात नहीं थी। वहीं, अन्य पार्टियों के नेताओं ने इसे सीधे-सीधे समाज में जहर घोलने वाला बयान करार दिया। कुछ नेताओं ने मुकुट मणि यादव को सांप्रदायिक बताते हुए उन पर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

इस विवाद ने न केवल धार्मिक भावनाओं को भड़काया, बल्कि राजनीतिक दलों के बीच की खाई को और गहरा कर दिया। कई जगहों पर यादव के समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हुए। सोशल मीडिया पर ट्रेंड चलाए गए और बयानबाजी तेज हो गई। जिन बातों को समझदारी से सुलझाया जा सकता था, उन्हें नेताओं ने वोट बैंक की राजनीति में बदल दिया। नतीजतन, एक धार्मिक प्रवचन राजनीतिक लड़ाई का कारण बन गया, जिसमें सच्चाई और संवाद की जगह कटुता और आरोप-प्रत्यारोप ने ले ली। इस पूरे घटनाक्रम ने साफ कर दिया कि जब तक राजनीतिक स्वार्थ ऊपर रहेगा, तब तक कोई भी सामाजिक या धार्मिक मुद्दा विवाद से अछूता नहीं रह सकता।इस विवाद के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक समारोह के दौरान कहा कि भाजपा ने हमेशा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचने की कोशिश की है, चाहे वह किसी भी जाति या वर्ग का हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा का हिन्दुत्व जातिविहीन, समरसतामूलक और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण पर आधारित है, जो एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को साकार करता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों की राजनीति केवल विभाजन, तुष्टीकरण और जातिगत समीकरणों पर टिकी है, जिससे समाज में वैमनस्य बढ़ रहा है।

इस सन्दर्भ में, उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार कुछ राजनीतिक संगठन चुनाव आते ही पिछड़ी, दलित या सवर्ण जातियों के नाम पर भावनात्मक भाषण देते हैं, रैलियों में जातिगत नारे लगवाते हैं, और जाति-विशेष के मसीहा बनने का प्रयास करते हैं। योगी ने सवाल उठाया कि जो लोग सालों से सत्ता में रहे, उन्होंने कभी गरीबों के घर बिजली, पानी, शिक्षा या स्वास्थ्य क्यों नहीं पहुँचाया? क्यों उन्होंने जातियों के नाम पर केवल वोट मांगे और सत्ता में आते ही अपनी व्यक्तिगत समृद्धि सुनिश्चित की? कई राजनीतिक विश्लेषकों और बुद्धिजीवियों ने भी इस विषय पर अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. संजीव त्रिपाठी ने कहा, यह स्पष्ट है कि भाजपा की हिन्दुत्व की राजनीति अब केवल धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता की ओर बढ़ रही है। इससे विपक्षी दलों के पारंपरिक जातिगत समीकरण कमजोर हो रहे हैं, इसलिए वे बौखलाहट में पुनः जातिगत ध्रुवीकरण की ओर जा रहे हैं।

इसी प्रकार लखनऊ विश्वविद्यालय की समाजशास्त्र की प्रोफेसर डॉ. रूचि श्रीवास्तव का कहना है, भारतीय समाज ऐतिहासिक रूप से जातियों में विभाजित रहा है, लेकिन स्वतंत्रता के बाद से अब तक जाति को केवल वोटबैंक की तरह इस्तेमाल किया गया। यदि अब कोई नेता इसे समरसता में बदलने की बात करता है, तो उसका विरोध केवल इसलिए हो रहा है क्योंकि इससे कुछ लोगों की राजनीति संकट में पड़ सकती है।

एक प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक चिन्तक डॉ. नरेश मालवीय ने टिप्पणी करते हुए कहा, वास्तव में यह एक बड़ा नैरेटिव युद्ध है। भाजपा हिन्दुओं को एक समरूप सांस्कृतिक पहचान के माध्यम से एक मंच पर लाना चाहती है, जबकि विपक्ष इसे सामाजिक विविधता के नाम पर तोड़ना चाहता है। लेकिन यह विविधता तब तक उपयोगी नहीं जब तक वह समाज को जोड़ती है, न कि बाँटती है।

गौरतलब हो हाल ही में कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा पिछड़े और दलित समुदायों के नाम पर अलग-अलग सम्मेलन आयोजित किए गए, जिसमें देखा गया कि किस प्रकार जातिगत पहचान को फिर से मुखर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने इसे राजनैतिक मुनाफाखोरी का कुत्सित प्रयास बताया और कहा कि अब समय है कि जनता इस षड्यंत्र को पहचानें और समरस समाज के निर्माण में सहयोग दें।

इस पर राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि 2024 के आम चुनावों में भाजपा ने जिस प्रकार सबका साथ, सबका विकास के नारे को विस्तार देकर सबका प्रयास की ओर ले जाया गया, वह उनके समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है। इसके मुकाबले, विपक्ष की रणनीति जातिगत गणनाओं और संख्यात्मक समीकरणों पर आधारित दिखती है, जो आज के समय में युवाओं और शहरी मध्यम वर्ग को बहुत आकर्षित नहीं कर पा रही। जहाँ एक ओर भाजपा अपने कार्यक्रमों में समाज के सभी वर्गों को शामिल करने का प्रयास कर रही है, वहीं विपक्ष के जाति आधारित सम्मेलन यह संदेश देते हैं कि वे अभी भी सामाजिक एकता की बजाय विखंडन की राजनीति पर भरोसा कर रहे हैं। यही कारण है कि योगी आदित्यनाथ की चिंता केवल राजनैतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक धरातल पर भी विचारणीय है। ऐसे में यह साफ तौर पर कहा जा सकता है है कि आने वाले समय में भारतीय राजनीति केवल चुनावी आंकड़ों की नहीं, बल्कि विचारधारात्मक संघर्ष की होगी, जहाँ एक ओर सनातन समरसता की बात होगी और दूसरी ओर जातीय टकराव की राजनीति।

-वरिष्ठ पत्रकार

बेटियों के लिये मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

ललित गर्ग

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवतः लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवतः बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। 'द इकोनॉमिस्ट' द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकडे चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। हालांकि,

अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है।

जन्म से पहले ही पता चल जाए कि लड़की यानी बालिका पैदा होगी तो माता-पिता उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं इसी सोच का परिणाम बनी। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लगता रहा है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? लेकिन अब इस संकीर्ण सोच में बदलाव आना एक सुखद संकेत है।

अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है, इसे बदलने में अभी भी लम्बा सफर तय करना होगा। बालिकाएं पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है।

लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं। लेकिन इसके बावजूद भारत को लिंग समानता के वैश्विक आंदोलन की किसी भी तरह अनदेखी नहीं करनी चाहिए। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 वैश्विक लैंगिक अंतर का आकलन और तुलना करने के लिए एक समझने योग्य ढांचा प्रदान करके और उन देशों को उजागर करके जो इन संसाधनों को महिलाओं और पुरुषों के बीच समान रूप से विभाजित करने में रोल मॉडल हैं, रिपोर्ट अधिक जागरूकता के साथ-साथ नीति निर्माताओं के बीच अधिक आदान-प्रदान के लिए उत्प्रेरक का काम करती है। भारत में समान संपत्ति अधिकार लागू करने, दहेज प्रथा की कुरीति को समाप्त करने की दिशा में सख्त कदम उठाने चाहिए। तभी भारतीय समाज में लिंगभेद की मानसिकता खत्म होगी और लैंगिक समानता की दिशा में मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही देश में तेजी से बढ़ती बुजुर्गों की आबादी के लिये बालिकाएं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में आधार बन सकेगी।

-लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार

विदेश की खबरें

पांच साल के अंतराल के बाद भारतीय तीर्थयात्रियों का पहला जत्था कैलाश मानसरोवर यात्रा पर पहुंचा

बीजिंग : भगवान शिव का निवास माने जाने वाले कैलाश पर्वत और मानसरोवर की पूजा-अर्चना के लिए तिब्बत रवाना हुआ भारतीय तीर्थयात्रियों का पहला जत्था बृहस्पतिवार को पवित्र स्थल पर पहुंचा। चीन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह जानकर प्रसन्नता हुई कि तीर्थयात्रियों का पहला जत्था चीन के शिजांग (तिब्बत) स्वायत्त क्षेत्र में मपाम युन त्सो (मानसरोवर) झील पर पहुंच गया है।' कैलाश मानसरोवर की यात्रा के लिए गये 36 तीर्थयात्रियों का जत्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे पांच वर्ष के अंतराल के बाद इस पवित्र स्थान पर आने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों का पहला समूह हैं। पूर्वी लद्दाख गतिरोध के बाद भारत और चीन के बीच चार साल से अधिक समय तक द्विपक्षीय संबंधों में गर्मजोशी नहीं रही।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य के स्कूल में विस्फोट, भगदड़ में 29 बच्चों की मौत

बांगुई (मध्य अफ्रीकी गणराज्य) : मध्य अफ्रीकी गणराज्य की राजधानी के एक उच्च विद्यालय में हुए विस्फोट और उसके बाद मची भगदड़ में कम से कम 29 स्कूली बच्चों की मौत हो गई और करीब 260 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। देश के राष्ट्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, बुधवार को बांगुई के बार्थेलेमी बोगांडा उच्च विद्यालय के परिसर में लगे एक विद्युत ट्रांसफार्मर में खराबी आने के बाद उसमें विद्युत आपूर्ति बहाल की जा रही थी और उसी दौरान विस्फोट हो गया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विस्फोट के बाद मची भगदड़ में 16 छात्राओं समेत ज्यादातर पीड़ितों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं अन्य की मौत अस्पताल में हुई।

वर्ग पहेली नं. 3135

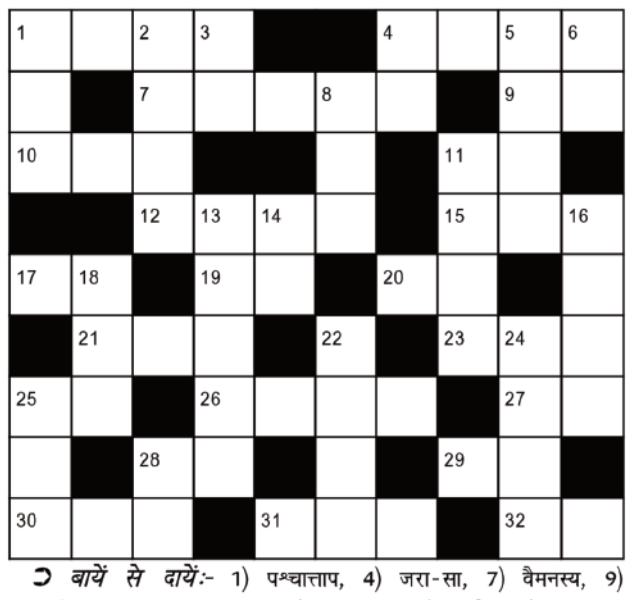

➲ *ऊपर से नीचे:-* 1) मूल्यातीत, 2) चंद्रवार, 3) जूट, 4) उत्साह, 5) डमरूवाला, 6) अल्प, 8) टरकाना, 11) व्याधिग्रस्त, 13) विवश होकर, 14) किस जगह, 16) लंबोतरा बड़ा तकिया, 18) कारण, 22) इरादा, 24) उगाहना, 25) आहारमात्रा, 28) गतिरुद्ध. *(उत्तर: अगले अंक में)*

➲ *बायें से दायें:-* 1) पश्चात्ताप, 4) जरा-सा, 7) वैमनस्य, 9) एक बीजदार सुगंधित मसाला, 10) पक्षाघात, 11) मर्ज़, 12) इतराना, 15) तपा हुआ, 17) विशेष, 19) संसार; दुनिया, 20) आगे का, 21) दुर्गंध, 23) स्तुति, 25) अत्यधिक, 26) प्रस्थान, 27) ब्याज, 28) प्राण, 29) केंचुली; आवरण, 30) शपथ, 31) रद्दी वस्तुएं, 32) गर्व; घमंड.

पिछली पहेली का उत्तर

अ	व	का	श	■	वि	श्वा	स	घा	त
ग्र	■	■	ब	हा	ना	■	टा	■	र
ज	ल	या	न	■	श	र्त	■	सा	फ़
■	ल	■	म	ह	क	■	बा	■	दा
■	का	ढ़ा	■	ल	■	स	र	स	री
दू	र	■	आ	फ़	त	■	बा	ड़ा	■
ध	■	प	■	ना	म	व	र	■	क
पी	ह	र	■	मा	■	सी	■	ला	मा
त	■	चा	लू	■	क	ला	कु	श	ल

सुडोकू-पहेली-3092

							2	
1	3		9					
		2				8		5
	5	8	2			3	6	
6					4			
				9				
	6				1			
3							4	
7			5		8		3	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3091 का उत्तर

8	6	9	5	2	7	1	4	3
3	2	4	9	8	1	5	7	6
5	1	7	4	6	3	9	8	2
1	3	2	7	5	9	8	6	4
7	9	8	6	3	4	2	5	1
4	5	6	8	1	2	3	9	7
9	8	3	1	4	6	7	2	5
6	7	1	2	9	5	4	3	8
2	4	5	3	7	8	6	1	9

ममता ने जगन्नाथ मंदिर में रथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

❑ आज 2.30 बजे शुरू होगी यात्रा, रथ खींचने के लिए श्रद्धालुओं को सड़क पर नहीं जाने दिया जाएगा

पूर्व मेदिनीपुर : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि शुक्रवार को दीघा में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर से शुरू होने वाली भव्य रथ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को एक किलोमीटर के जुलूस मार्ग पर बैरिकेड्स के पीछे खड़ा होना होगा और उन्हें देव-ताओं के रथों की रस्सियों को खींचने के लिए सड़कों पर आने की अनुमति नहीं होगी। शुक्रवार के उत्सव की योजना बनाने और उसकी देखरेख करने के लिए दीघा शंकरपुर विकास प्राधिकरण (डीएसडीए) के अधिकारियों, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और दीघा में इस्कॉन के संन्यासियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक के तुरंत बाद ममता ने कहा कि तीर्थयात्रियों को रथ की रस्सियों को छूने का अवसर मिलेगा, जिन्हें बैरिकेड्स के साथ रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम श्रद्धालुओं को रथ खींचने के लिए सड़कों पर उतरने की अनुमति नहीं दे सकते, क्योंकि इससे अराजकता हो सकती है, लेकिन उन्हें बैरिकेड्स के पीछे से उन रस्सियों को छूने का अवसर मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि रथयात्रा दोपहर 2.30 बजे शुरू होगी, हालांकि मंदिर में अनुष्ठान सुबह 9 बजे से ही शुरू हो जायेंगे।

उन्होंने बताया कि धीमी गति से चलने वाले रथों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगेंगे, जो लगभग एक किलोमीटर दूर है। इससे उन श्रद्धालुओं को लाभ होगा, जो रथयात्रा की एक झलक पाने और इसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में यहां एकत्र होंगे।

डीएसडीए के एक अधिकारी ने बताया कि उत्सव की तैयारियों का जायजा लेने बुधवार को दीघा पहुंचीं ममता ने मंदिर के पास रखे भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन के लिए रखे तीन रथों का निरीक्षण किया। उन्होंने डीएसडीए अधिकारियों और पुलिस कर्मियों के साथ यात्रा मार्ग की समीक्षा भी की। मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में उन्हें पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार से यह कहते हुए सुना गया कि इस मार्ग का अनुसरण करें। लोगों के लिए सब कुछ सुचारू और ठीक तरह से होना चाहिए। पूर्वी मेदिनीपुर जिले के समुद्र तटीय रिसॉर्ट शहर दीघा को समारोह से पहले अच्छी तरह सजाया गया है, जहां मंदिर थीम वाले कटआउट, देवी-देवताओं की विशाल प्रतिमाएं और चंद्रनगर के कलाकारों द्वारा डिजाइन की गई रोशनी की झालरें लगाई गई हैं। कोलकाता से शहर तक राष्ट्रीय राजमार्ग के पूरे 180 किलोमीटर हिस्से पर भगवान जगन्नाथ की छवि वाले केसरिया झंडे और 'जगन्नाथ धाम में आपका स्वागत है', लिखे बैनर लगे हुए हैं। हजारों श्रद्धालु पहले ही दीघा पहुंच चुके हैं। लाउडस्पीकर पर भगवान जगन्नाथ के भक्ति गीत लगातार बज रहे हैं।

❑ ममता ने पुरी जगन्नाथ मंदिर के प्रति आस्था दोहराई

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि पुरी जगन्नाथ मंदिर के प्रति उनकी गहरी आस्था है और एक श्रद्धालु के तौर पर वह वर्षों से नियमित रूप से मंदिर जाती रहती हैं। दीघा में नवनिर्मित मंदिर का नाम 'जगन्नाथ धाम' रखे जाने पर ओडिशा सरकार की आपत्तियों पर प्रतिक्रिया देते हुए ममता ने संवाददाताओं से कहा कि इस मुद्दे पर भाजपा ने जिस तरह प्रतिक्रिया दी है, वह न तो समझ पा रही हैं, न ही कुछ बोल पा रही हैं। उन्होंने कहा कि दीघा मंदिर सभी परंपराओं और शास्त्रों का पालन करते हुए बनाया गया था और पुरी मंदिर के एक पुजारी ने खुद तय किया कि इसमें किस तरह के धार्मिक रीति- रिवाज और परंपराएं अपनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार को दीघा जगन्नाथ मंदिर के बारे में जो करना है, करने दीजिए। 12वीं सदी के मंदिर के प्रति मेरी गहरी श्रद्धा है। मैं भगवान जगन्नाथ की भक्त हूं। लेकिन क्या दीघा में एक और जगन्नाथ मंदिर नहीं हो सकता? उन्होंने कहा कि ओडिशा से सैकड़ों लोग दीघा मंदिर में दर्शन करने आते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि तो ओडिशा सरकार इतनी परेशान क्यों है? ममता ने दावा किया कि उन्हें शास्त्रों और अनुष्ठानों की बारीकियों की ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने जानकारों और पुजारियों से सलाह ली और उनके अनुसार ही सब किया। उन्होंने कहा कि बड़ा धर्म कौन सा है? मानवता का धर्म मेरे लिए शीर्ष है। मैं लोगों से स्नेह करती हूं। मैं मानवता से प्रेम करती हूं और मेरे लिए यही सच्चा धर्म है। पुरी के गजपति 'राजा' दिव्यसिंह देव के इस बयान कि दीघा मंदिर को 'जगन्नाथ धाम' नहीं कहा जा सकता, इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं उनके विचारों का सम्मान करती हूं।

15 दिनों बाद खुले द्वार, दीघा के जगन्नाथ मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

पूर्व मेदिनीपुर : स्नान यात्रा के बाद 15 दिनों के 'अनसर' यानी विश्रामकाल के बाद गुरुवार के तड़के दीघा स्थित जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। भोर में प्रभु जगन्नाथ ने नववेश में दर्शन दिए, जिससे श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। परंपरा के अनुसार, स्नान यात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ बीमार हो जाते हैं और 15 दिनों तक विश्राम करते हैं। इस दौरान, मंदिर के मुख्य द्वार आम लोगों के लिए बंद रहते हैं। लेकिन, गुरुवार की सुबह 6.30 बजे मंदिर के गर्भगृह के द्वार खोले गए। प्रभु के दर्शन के लिए सुबह 5 बजे से ही मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर श्रद्धालुओं की कतारें लग गईं। इस दिन, विशेष अनुष्ठानों की शुरुआत मंगला आरती से हुई। दोपहर में रस्सी पूजा का आयोजन किया गया। आज रथ यात्रा का आयोजन होगा, जिसका उद्घाटन भी मुख्यमंत्री करेंगी। इसी कारण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को ही दीघा पहुंच चुकी हैं। मंदिर समिति के अनुसार, गुरुवार को भगवान जगन्नाथ को विशेष रूप से सजाया गया। उन्हें जगाया गया, दांत साफ कराए गए, नए वस्त्र पहनाए गए और फूलों की माला से श्रृंगार किया गया। सुबह 7 बजे पूजा के बाद उन्हें प्रातः भोजन अर्पित किया गया। इसके बाद दिनभर पूजा, कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान चलते रहे। 15 दिनों के उपवासकाल के बाद इस दिन प्रभु का मध्याह्न भोजन आयोजित किया गया, जिसमें 56 भोग की व्यवस्था की गई।

व्यावसायिक लाभ के लिए भगवान जगन्नाथ के नाम का दुरुपयोग कर रही हैं ममता : शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती

भुवनेश्वर/कोलकाता : दीघा में नए जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन के बाद आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। इसी क्रम में, गुरुवार पुरी के गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार पर भगवान जगन्नाथ के नाम का व्यावसायिक लाभ के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। शंकराचार्य ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने धार्मिक भावना के बिना ही दीघा में बने

जगन्नाथ मंदिर को 'जगन्नाथ धाम' नाम दे दिया, जो उचित नहीं है। शंकराचार्य ने कहा कि बंगाल के श्रद्धालुओं के कारण पुरी की अर्थव्यवस्था चलती है। होटल, सेवायत और व्यापारी सभी को लाभ होता है। ममता बनर्जी जानती हैं कि बंगाल के श्रद्धालु पुरी आते हैं और पैसा खर्च करते हैं। इसलिए उन्होंने दीघा में नया मंदिर बनवाया ताकि बंगाल का पैसा ओडिशा न आए। 'धाम' शब्द का इस्तेमाल सिर्फ पुरी जैसे धार्मिक स्थलों के लिए किया जाता है, दीघा के लिए नहीं।

❑ इस्कॉन पर लगाया धर्मशास्त्रों के उल्लंघन का आरोप

साथ ही, एक सवाल के जवाब में शंकराचार्य ने इस्कॉन को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि वे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा और अन्य पर्व तय तिथियों के अनुसार न मनाकर धर्मशास्त्रों का उल्लंघन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्कॉन को यह सब बंद करना चाहिए।

कांकुड़गाछी में भाजपा कार्यकर्ता की हत्या के चार साल बाद सीबीआई के हत्थे चढ़ा वांछित आरोपित

कोलकाता, समाज्ञा : चार साल तक फरार रहने के बावजूद अरुण दे कानून के हाथ से बच नहीं सका। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद कांकुड़गाछी में भाजपा कार्यकर्ता अभिजीत सरकार की हत्या के मामले में मुख्य आरोपित अरुण दे को आखिरकार सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की गिरफ्तारी से पहले एजेंसी ने उसकी जानकारी देने पर 50 हजार का इनाम भी घोषित किया था। गुरुवार को सीबीआई में एक बयान जारी कर बताया है कि नारकेलडांगा इलाके का निवासी अरुण दे, हत्या के ठीक बाद से फरार चल रहा था। उसने लगातार चार साल तक अपनी पहचान छिपाए रखी, लेकिन विधानसभा चुनाव 2026 से पहले सीबीआई ने उसे धर दबोचा। अरुण का नाम सीबीआई

की वांछित सूची में सबसे ऊपर था। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव 2021 के नतीजे आने के ठीक अगले दिन भाजपा कार्यकर्ता अभिजीत सरकार की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कुल आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी, जिनमें से पांच को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। बाद में, नारकेलडांगा थाने की पुलिस ने दो और आरोपितों को पकड़ा। इसके बाद, मामला सीबीआई को सौंप दिया गया।

भवानीपुर में पुलिस अस्पताल के पास लगी आग, मुख्यमंत्री को दी गई जानकारी

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विधानसभा क्षेत्र भवानीपुर में बुधवार की देर रात आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, भवानीपुर पुलिस अस्पताल के पास रात करीब 12.30 बजे आग भड़क उठी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। बताया गया कि यह घटना भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के 71 नंबर वार्ड की बेनीनंदन स्ट्रीट पर घटी। यहां पुलिस अस्पताल के समीप एक पेड़ में पहले आग लगी। देखते ही देखते पूरे इलाके में जलने की तेज गंध फैल गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत आग बुझाने की कोशिश शुरू की। आसपास मौजूद होटल के कर्मचारी और वहां खाने आए लोग भी राहत कार्य में जुट गए। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि उन्होंने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी थी, लेकिन जब तक दमकल की गाड़ी पहुंची, तब तक आग काफी हद तक बुझ चुकी थी। दमकल की देरी को लेकर लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बिजली की केबल और इंटरनेट के तारों के उलझने से यह आग लगी। पुलिस और दमकल विभाग ने पुष्टि की है कि घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। उधर, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस समय जगन्नाथ मंदिर में पहले रथ यात्रा उत्सव के अवसर पर दीघा में मौजूद हैं। सूत्रों के अनुसार, इस घटना की जानकारी बुधवार की देर रात ही मुख्यमंत्री को भेज दी गई है। उन्होंने आग की स्थिति की जानकारी भी अधिकारियों से ली है।

विधानसभा में सुरक्षा को लेकर हंगामा, केंद्रीय सुरक्षा रोकने के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचे शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और भाजपा विधायकों के केंद्रीय सुरक्षा कर्मियों के प्रवेश पर विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय द्वारा लगाई गई रोक को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस फैसले को चुनौती देते हुए शुभेंदु अधिकारी गुरुवार को कोलकाता हाईकोर्ट पहुंचे।

शुभेंदु का दावा है कि इस रोक के चलते वे और अन्य भाजपा विधायक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। शुभेंदु के वकील जयदीप कर ने दलील दी,

राज्य पुलिस को विधानसभा भवन के भीतर प्रवेश की अनुमति है, लेकिन केंद्रीय सुरक्षा बलों को बाहर, बारिश में भीगते हुए गेट के सामने खड़ा रखा जाता है। यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है, जो समानता का अधिकार देता है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा के नियम 352 और 360 अध्यक्ष को कुछ अधिकार जरूर देते हैं, लेकिन 'स्टेंजर' शब्द की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं दी गई है। इस पर न्यायाधीश ने सवाल किया, क्या 'स्टेंजर' की कोई स्पष्ट परिभाषा दी गई है? जवाब में जयदीप कर ने कहा, नहीं, लेकिन नियम 361 के पैरा 3(ई) में कुछ व्याख्या जरूर है।

जयदीप कर ने आगे तर्क दिया कि स्पीकर के निर्देश के अनुसार, विधायकों के साथ आने वाले व्यक्ति गेट नंबर 2 पर वाहन से उतरेंगे और कोई भी हथियार लेकर अंदर नहीं जा सकता। लेकिन सुरक्षा एक मौलिक अधिकार है जो अनुच्छेद 21 के तहत आता है। ऐसे में एक विधायक के निजी सुरक्षा कर्मियों को प्रवेश से रोकना असंवैधानिक है।

राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता किशोर दत्त ने अदालत से कुछ समय देने की अपील की। लेकिन न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने स्पष्ट कर दिया, इस मामले में समय नहीं दिया जा सकता।

सुनवाई के बाद अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 8 जुलाई तय की है। इस मुद्दे को लेकर अब विधानसभा के भीतर और बाहर राजनीतिक तापमान बढ़ने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ममता ने बंकिमचंद्र चटर्जी को जन्मदिवस पर दी श्रद्धांजलि

कोलकाता, समाज्ञा

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चटर्जी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बंकिमचंद्र आधुनिक बंगाली साहित्य की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभा चुके हैं और उनकी रचनाएं आज भी लोगों को प्रेरणा देती हैं। मुख्यमंत्री ने एक संदेश में लिखा कि बंकिमचंद्र द्वारा रचित चरित्रों की गहराई, उनकी सोच की नवीनता और भाषा की शैली आज भी हमें लगातार प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय चेतना का एक अभिन्न अंग है और यह हमारा राष्ट्रीय गीत भी है।

'निचली अदालत करेगी पीड़िता के माता-पिता के अपराध स्थल पर जाने का फैसला'

आरजी कर दुष्कर्म-हत्या मामले में हाई कोर्ट का आदेश

कोलकाता, समाज्ञा

कलकत्ता हाई कोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में निचली अदालत को आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत मृत डॉक्टर के माता-पिता की अपराध स्थल का दौरा करने की अनुमति मांग की वाली याचिका पर फैसला करेगी। बता दें कि पीड़िता के माता-पिता ने अपने वकील फिरोज एडुल्जी के जरिये याचिका दायर करके अपराध स्थल का निरीक्षण करने की अनुमति मांगी थी। गुरुवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने कहा कि मामले की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है और एसीजेएम सियालदह, मुद्दों पर विचार कर रहे हैं, इसलिए मजिस्ट्रेट को सूचित किए बिना कोई आदेश पारित नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति घोष ने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी प्रार्थना के साथ एसीजेएम अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है। उन्होंने एसीजेएम को निर्देश दिया कि वह ऐसे आवेदन का निपटारा उसके समक्ष प्रस्तुत किए जाने के 48 घंटे के भीतर करेंगे। सीबीआई की ओर से उपस्थित उप सॉलिसिटर जनरल राजदीप मजूमदार ने कहा कि अस्पताल की सुरक्षा का प्रभार सीआरपीएफ के पास है, इसलिए ऐसी अनुमति अदालत से लेना आवश्यक है। राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने याचिका पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यदि याचिकाकर्ता डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या मामले की पुनः जांच की मांग करना चाहते हैं, तो उनको अब तक हुई जांच और फैसलों को रद्द करने की अपील भी करनी चाहिए। उनको स्पष्ट करना चाहिए कि वे आगे जांच चाहते हैं या मामले की नए सिरे से जांच चाहते हैं।

NOTICE

IN THE CITY CIUIL COURT AT CALCUTTA BEFORE THE FARNED CHIEF JUDGE CIVI LETTERS OF ADMINISTRATION CASE NO. 21 OF 2023

IN THE GOODS OF:

1. PRABHAKAR TEWARI, son of Late Debnath Tewari, residing lately at 4B, K.K. Banerjee Lane, Tala, Cossipore, Post Office - Cossipure, Police Station - Chitpur, Kolkata - 700002.
2. INDU TEWARI, wife of Sashi Sekhar Tewari, residing lately at 4B, Kali Kumar Banerjee Lane, Cossipore, Post Office - Cossipure, Police Station- Chitpur, Kolkata-700002.

...Since deceased

AND

IN THE MATTER OF:

SASHI SEKHAR TEWARI, son of Late Debnath Tewari, residing at 4B, Kali Kumar Banerjee Lane, Post Office - Cossipure, Police Station - Chitpur, Kolkata - 700002.

...Applicant

WHEREAS the above named petitioners has filed the application on 04.08.2023 before the aforesaid court under the provision of Indian Succession Act for the grant of Letters of Administration certificate for One Locker bearing No. 78A, with Punjab National Bank being Account No. 1965000100209973 at branch office at 112, Bidhan Sarani, Kolkata - 700004 in respect of Estate of PRABHAKAR TEWARI and INDU TEWARI died on 6th day of November, 2022 and 11th day of March, 2023 at their last place of residence his last place of residence i.e. 4B, K.K. Banerjee Lane, Tala, Post Office - Cossipore, Police Station - Chitpur, Kolkata - 700002.

Notice is hereby given that any person having any interest in the Estate of the deceased above named may appear in the Court of Learned Chief Judge, City Civil Court at Calcutta on 08day of Augwat, 2025 at 10.30 AM either in person or through agent and may file objection if any there against. In default the application will be hear and determined ex-parte in accordance with law.

By Order
Tapash Barua
Chief Administrative Officer
City Civil Court at Calcutta.

Name Change

I Mohesh Kumar Sonthalia s/o Sitaram Sonthalia residing at 82 Chinatamoni Dey Road, Howrah-711101 do hereby solemnly affirm that my actual and correct name is Mahesh Kumar Sonthalia. Mahesh Kumar Sonthalia and Mohesh Kumar Sonthalia both are same and identical person vide affidavit Dated 24.06.25

NAME AND D.O.B CHANGE

I, Jyana Devi Mother of Army No.15682227F, Rank-CHM, Name- Kishor Singh, Unit 21 NSR Kolkata (W.B) 918394 Residing at Badoo, Nagaur, Rajasthan, Pin-341501. have changed my name and date of birth from Jayna Dive date of birth 15/05/1962 to Jyana Devi and date of birth 01/07/1962 Vide affidavit Before the Notary Public Biplab Sardar Notary Govt. of West Bengal at Alipore Court Kolkata dated 23.06.2025.

e-Tender

The Block Development Officer, Pingla Development Block invites Tender for 1 No. Scheme.

NOTICE INVITING E-TENDER NO.

NIT No.	No. of Scheme Tender	Last Date of Application
BDO/Pingla/ e-NIT/TD/007/ 2025-26	1	9th July, 2025 (upto 14:00 Hours).

Details of the Tender notice is available in website wbtenders.gov.in

Sd/-
Block Development Officer
Pingla Development Block

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-38-41-25, दिनांक: 25.06.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (अभियांत्रिकी), दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा नीचे उल्लिखित विवरणों के अनुसार परिवहन, बेड़ा कार्यों के लिए 04 (चार) अदद ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-38-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल - डीईएन (सेंट्रल)/आद्रा के अधिकार क्षेत्र के अधीन संवेदनशील स्थानों पर ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रनिंग रेलवे ट्रैक की सुरक्षा हेतु सड़क की बैरिकेडिंग/बाड़ तथा सड़क की मरम्मत की आवश्यकता है। **निविदा मूल्य:** ₹ 3,26,62,165.45। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-39-25। कार्य का विवरण:** दो वर्षों के लिए डीईएन (ईस्ट)/आद्रा के अधिकार क्षेत्र के अधीन ट्रैक नवीकरण कार्यों के लिए विभिन्न स्थानों से सड़क द्वारा पी.वे सामग्रियों का परिवहन। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,01,97,475.97। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-40-25। कार्य का विवरण:** दो वर्षों के लिए डीईएन (नॉर्थ)/आद्रा के अधिकार क्षेत्र के अधीन ट्रैक नवीकरण कार्यों के लिए विभिन्न स्थानों से सड़क द्वारा पी.वे सामग्रियों का परिवहन। **निविदा मूल्य:** ₹ 96,14,763.06। **क्रम संख्या:** 4। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-41-25। कार्य का विवरण:** दो वर्षों के लिए डीईएन (सेंट्रल)/आद्रा के अधिकार क्षेत्र के अधीन ट्रैक नवीकरण कार्यों के लिए विभिन्न स्थानों से सड़क द्वारा पी.वे सामग्रियों का परिवहन। **निविदा मूल्य:** ₹ 93,23,406.60। **ई-निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 21.07.2025 को अपराह्न 3:00 बजे (क्रम संख्या 1 से 4 प्रत्येक के लिए)। उपर्युक्त ई-निविदाओं के विवरण के लिए कृपया वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें। (PR-321)

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना संख्या: सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/25/20 दिनांक: 25.06.2025

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चौथी मंज़िल, यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा वाणिज्यिक प्रचार अधिकार का ठेका प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कैटेलॉग संख्या:** पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-20। **नीलामी शुरू होने की तारीख और समय:** 09.07.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **क्रम संख्या; एसईक्यू.संख्या; लॉट संख्या** एवं **विवरण** निम्नानुसार हैं: **1** ; एए/1; **एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एलएलएच-ओएसडी-119-24-1** (एडवरटाइजिंग-ऑन स्टेशन प्रेमिस-डिजिटल) एवं तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे सहित हावड़ा मंडल के क्लस्टर-1 (लिलुआ, बेलुड़, बाली, डानकुनी, कोन्नगर, रिसड़ा एवं श्रीरामपुर) के अधीन स्टेशनों पर डायनामिक भीम यूपीआई क्यूआर कोड के प्रावधान सहित पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) काउंटरों तथा अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) काउंटरों पर डुअल डिस्प्ले फेयर रिपीटर सिस्टम (डीडीएफआरएस) की आपूर्ति, स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान। **2**; एए/2; **एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एसएचई-ओएसडी-120-24-1** (एडवरटाइजिंग-ऑन स्टेशन प्रेमिस-डिजिटल) एवं तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे सहित हावड़ा मंडल के क्लस्टर-2 (सेवड़ाफुली, बैद्यबाटी, भद्रेश्वर, मानकुंडु, चन्दन नगर, चुंचुड़ा एवं तारकेश्वर) के अधीन स्टेशनों पर डायनामिक भीम यूपीआई क्यूआर कोड के प्रावधान सहित पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) काउंटरों तथा अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) काउंटरों पर डुअल डिस्प्ले फेयर रिपीटर सिस्टम (डीडीएफआरएस) की आपूर्ति, स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान। **3**; एए/3; **एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीडीसी-ओएसडी-121-24-1** (एडवरटाइजिंग-ऑन स्टेशन प्रेमिस-डिजिटल) एवं तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे सहित हावड़ा मंडल के क्लस्टर-3 (बैंडेल, नवद्वीप धाम एवं कटवा) के अधीन स्टेशनों पर डायनामिक भीम यूपीआई क्यूआर कोड के प्रावधान सहित पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) काउंटरों तथा अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) काउंटरों पर डुअल डिस्प्ले फेयर रिपीटर सिस्टम (डीडीएफआरएस) की आपूर्ति, स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान। **4** ; एए/4; **एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-पीडीए-ओएसडी-122-24-1** (एडवरटाइजिंग-ऑन स्टेशन प्रेमिस-डिजिटल) एवं तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे सहित हावड़ा मंडल के क्लस्टर-4 (पांडुआ, मेमारी, बर्द्धमान, बोलपुर शांतिनिकेतन एवं रामपुरहाट) के अधीन स्टेशनों पर डायनामिक भीम यूपीआई क्यूआर कोड के प्रावधान सहित पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) काउंटरों तथा अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) काउंटरों पर डुअल डिस्प्ले फेयर रिपीटर सिस्टम (डीडीएफआरएस) की आपूर्ति, स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान। **5**; एबी/1; **एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीपीएई-ओएसडी-26-25-1** (एडवरटाइजिंग-ऑन स्टेशन प्रेमिस-नॉन-डिजिटल) एवं तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के बेगमपुर स्टेशन के स्टेशन परिसरों के अंदर वाणिज्यिक प्रचार का प्रदर्शन।

(HWH-161/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

Office of the Municipal Councillors
Serampore Municipality
1, N. S. Avenue, Serampore, Dist.: Hooghly, Pin: 712201

Notice Inviting e-Tender

e-Tender of the following works are invited by Chairman, Serampore Municipality from experienced and resourceful , GST registered bidders for execution the works vide **NIT No- WBMAD/ULB/SRMP/GENERAL FUND/NIT-12/2025-26, Date-26/06/2025,** Name of work- Cleaning and Clearing of Scrubs and Scum from Sarkar Pukur at ward no. 21 under Serampore Municipality,. Bid Submission Start Date (online): **26/06/2025 at 14.00 P.M.** Bid Submission Closing (online) : **19/07/2025 at 14.00 P.M.** Bid opening Date for Technical proposals (online) : **22/07/2025 at 14.00 P.M.** For details of the project go through http://wbtenders.gov.in and www.seramporemunicipality.net/tenders

Sd/-
Chairman
Serampore Municipality

Office of the Municipal Councillors
Serampore Municipality
1, N. S. Avenue, Serampore, Dist.: Hooghly, Pin: 712201

Notice Inviting e-Tender

e-Tender of the following works are invited by Chairman, Serampore Municipality from experienced and resourceful, GST registered bidders for execution the works vide **NIT No- WBMAD/ULB/SRMP/UDMA/NIT-13/ 2025-26, Date- 26/06/2025,** Name of work-Reconstruction of Concrete Road at Braja Dutta Lane Dhuli Para and Sanjukta Dey bagan road and other allied works at ward no. 26 under Serampore Municipality. Bid Submission Start Date (online) : **26/06/2025 at 14.00 P.M.** Bid Submission Closing (online) : **19/07/2025 at 14.00 P.M.** Bid opening Date for Technical proposals (online) : **22/07/2025 at 14.00 P.M.** For details of the project go through http://wbtenders.gov.in and www.seramporemunicipality.net/tenders

Sd/-
Chairman
Serampore Municipality

हावड़ा और नबद्वीप धाम के बीच ईएमयू स्पेशल ट्रेन

'रथ यात्रा' के अवसर पर यात्रियों की अपेक्षित भारी भीड़ को संभालने के लिए, हावड़ा और नबद्वीप धाम के बीच **दिनांक 27.06.2025 (शुक्रवार)** और **05.07.2025 (शनिवार)** को एक जोड़ी ईएमयू स्पेशल ट्रेन निम्नलिखित संक्षिप्त समयसूची के अनुसार चलेगी:-

अप ट्रेन आ.	अप ट्रेन प्र.	स्टेशन	डाउन ट्रेन आ.	डाउन ट्रेन प्र.
–	09.32	हावड़ा	17.00	–
10.32	10.35	बैण्डेल	15.55	15.57
12.00	–	नबद्वीप धाम	–	14.30

ये ईएमयू स्पेशल ट्रेनें मार्ग में सभी स्टेशनों पर रुकेंगी।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/फर्नीशिंग-समन्वय, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये **(ई-निविदा सं.- एम-200/एमसीएफ/आरबीएल/फर-एक्टिविटीज/बोगीशिफ्ट/एफ-68,दिनांक 21.06.2025)** खुली एकल पैकेट प्रणाली आधारित भारतीय रेलवे पोर्टल www.ireps.gov.in द्वारा **ई-निविदा** आमंत्रित की जाती है:- **कार्य का नामः** बोगी शॉप या अन्य स्थानों से फर्निशिंग शॉप, नई शेल शॉप या किसी अन्य स्थान पर बोगियों को स्थानांतरित करने के लिए कार्य अनुबंध, जहां कार्य के दायरे के अनुसार कोच को लोअरिंग करना है।, **कार्य की अनुमानित लागत (₹ में):** ₹ 56,75,623.00, **अमानत राशि (₹ में):** ₹ 1,13,500.00, **कार्य की मात्रा:** 10126 बोगी, **कार्य समापन की अवधि:** 24 माह या पहले। **नोटः ●ई-निविदा** दिनांक- 14.07.2025 को 15:00 बजे तक ऑन-लाइन जमा कर सकते हैं। हस्त लिखित, निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।●**ई-निविदा** दिनांक- 14.07.2025 को 15:00 बजे के बाद ऑन-लाइन http://www.ireps.gov.in के द्वारा खोली जाएगी।● **ई-निविदा** सूचना और टर्म्स एवं कंडीशन का पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के आईआरईपीएस की वेब साइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/फर्निशिंग/समन्वय

ई-एडवर्टाइज्ड टेंडर नोटिस सं. 17/ईटी/2025-26 दिनांक: 21.06.2025

क्र.सं.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा	नियत तिथि
01	04251196	सेट ऑफ साइड बॉफर असेम्बली (हेलीकल स्प्रिंग टाईप) (एलएच एंड आरएच) फॉर एलएचबी कोच	430 सेट	21.07.2025
02	12251225	ब्रेक बीम	2638 नग	15.07.2025
03	03251313	सेट ऑफ फ्लोर प्लेट कम्पलीट फॉर एलडब्ल्यूएससीएन कोचेज	319 सेट	15.07.2025
04	03251411	स्टीलनेस स्टील स्टेप कम्पलीट	9375 नग	16.07.2025
05	03251468	एल मोल्डिंग इएक्स जे (2.5x12x62) एल =1.8 एम	23993 नग	18.07.2025
06	03251323	स्मॉल विन्डो (फिक्सिड)	790 नग	22.07.2025
		स्मॉल फिक्सिड विन्डो फॉर एल2एसी कोचेज	53 नग	
		लैवेटरी विन्डो विद फिक्सिड लूवर्स एन्ड सीलड ग्लास यूनिट फॉर एलएचबी कोचेज	5115 नग	
07	05251102	टेल लाइट एलईडी टाइप विद फ्लेशर यूनिट एंड वीएचएफ चार्जिंग साकेट	346 नग	17.07.2025
08	05251085	सेल्फ-प्राईमिंग मोनोब्लॉक पम्प असेम्बली विद कंट्रोलर	1351 सेट	26.08.2025
09	05251087	पीए सिस्टम फॉर पावर कार कोचेज	166 सेट	29.07.2025
10	05251112	सेट ऑफ इलेक्ट्रिकल ब्रैकेटस फॉर एलडब्लूएस सीएन एंड एलएस कोचेज	1947 सेट	17.07.2025
11	03251482	अडैप्टर फॉर इयूआरओ लेवोटरी फॉर एलएचबी कोचेज	3582 नग	22.07.2025
12	05251094	कंट्रोल पैनल फॉर रेडीयटर फैन मोटर्स ऑफ डीजल इंजन फॉर एलएचबी पावर कार	167 सेट	24.07.2025
13	05251104	24 वोल्ट स्टार्टर बैट्री चार्जर फॉर 500 केवीए डीए सेट	336 नग	15.07.2025
14	05251079	70एएच, 110वी वीआरएलए मेंनटेन्स फ्री मोनो-ब्लाक बैट्री सेट(विद 9 मोडूलस आफ 12वी ईएसीएच)	392 सेट	26.08.2025
15	03251415	रेटेंशन टैंक (एलएच) विद एस-ट्रैप	5317 नग	22.07.2025
		रेटेंशन टैंक (आरएच) विद एस-ट्रैप	5065 नग	
16	06251071	सेट ऑफ फ्लोरोपॉलिमर पेंटस फॉर पेंटिंग ऑफ फीएट बोगी	1081 सेट	12.07.2025

ई-एडवर्टाइज्ड टेंडर नोटिस सं. 18/ईटी/2025-26 दिनांक: 23.06.2025

क्र.सं.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा	नियत तिथि
01	06251070	हाई परफॉमेंस एन्टी कोरेसिन एपॉक्सी कटिंग	21620 लीटर	16.07.2025
02	03251547	सप्लाई एन्ड इंस्टालेशन ऑफ एफआरपी मॉडूलर टोयलट फॉर एलएचबी जीएस कोचेज	682 सेट	23.07.2025
		सप्लाई, इंस्टालेशन ऑफ एफआरपी मॉडूलर टोयलट फॉर एलडब्लूएससीएन कोच	215 सेट	
03	05251073	हार्नेस ऑफ अंडरफ्रेम एंड रूफ अरेंजमेंट फॉर एलएचबी ईओजी नॉन एसी जीएस कोचेज	772 सेट	23.07.2025
		हार्नेस ऑफ अंडरफ्रेम एंड रूफ अरेंजमेंट फॉर एलएचबी ईओजी नॉन एसी एससीएन कोचेज	623 सेट	
		हार्नेस ऑफ अंडरफ्रेम एंड रूफ अरेंजमेंट फॉर एलएसएलआरडी टाईम कोचेज	147 सेट	

शुद्धि पत्र

01	10/ईटी/2025-26 दिनांक 21.05.2025	टेन्डर नं. 15245319	निविदा खुलने की तिथि 16.06.2025 के स्थान पर तिथि 30.06.2025 पढ़े

शुद्धि पत्र सं. 01/2025-2026 दिनांक 24.06.2025

शुद्धि पत्र

			विवरण
01	18/ईटी/2025-26 दिनांक: 23.06.2025	टेन्डर नं. 15245319	टेंडर नं. स्पेसिफिकेशन अगेन्स्ट दा पैरा संख्या 2.2.13 शोल्ड बी रीड एस टू कम्पलीट सेट ऑफ डीआइएस/पन्चेज रिक्वाइरड फॉर बेन्डिंग ऑफ आल कम्पोनेंट (लिस्टेड इन एनेक्सर 'ए') एस पर पैरा 3.2.6. आल आदर टर्मस एन्ड कनडिशन रीमेन आनचेनज्ड

Website Address: www.ireps.gov.in & www.mcf.indianrailways.gov.in

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/एम & पी

ग्राहको की सेवा में मुस्कान के साथ

पार्टी की अनुमति के बिना कालीगंज पीड़िता के परिवार को पैसे देने की कोशिश

तृणमूल ने पार्टी विधायक हुमायूं कबीर को कारण बताओ नोटिस किया जारी, तीन दिन में जवाब तलब

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस ने नदिया जिले में हाल ही में हुए बम विस्फोट में मारी गई नाबालिग लड़की के परिवार से मिलने और पार्टी को सूचित किए बिना कथित तौर पर उन्हें पैसे देने की कोशिश करने के लिए पार्टी विधायक हुमायूं कबीर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी व पश्चिम मेदिनीपुर जिले के डेबरा के विधायक कबीर ने कहा कि वह बुधवार को कालीगंज निर्वाचन क्षेत्र में मृतक के घर एक

नेता के तौर पर नहीं बल्कि एक गैर-सरकारी संगठन के प्रतिनिधि के तौर पर गए थे। कबीर ने पीड़िता की मां सबीना यास्मीन को कथित तौर पर पैसे से भरा एक लिफाफा देने की कोशिश की। हालांकि, उन्होंने इसे लेने से इनकार कर दिया और बाद में आरोप लगाया कि विधायक ने पैसे से उनका मुंह बंद करने की कोशिश की। यास्मीन ने संवाददात-ाओं से कहा कि उन्होंने मुझे एक सीलबंद लिफाफा दिया जिसमें पैसे और एक फोन नंबर था। मैंने उससे कहा कि हमारे पास जमीन है, घर है - हमें पैसे की जरूरत नहीं है। मुझे अपनी बेटी के लिए न्याय चाहिए, पैसे नहीं। उन्होंने कहा कि अगर विधायक (कोई) महिला होती, तो मैं उसके बाल नोच लेती। इस घटना के बाद से विवाद पैदा हो गया, जिसके बाद तृणमूल नेतृत्व ने कबीर से स्पष्टीकरण मांगा। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने पुष्टि की कि कबीर को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है और उन्हें 72 घंटे के भीतर जवाब देने को कहा गया है। वरिष्ठ नेता ने कहा कि हुमायूं कबीर ने पीड़िता के घर का दौरा किया और पार्टी की जानकारी या मंजूरी के बिना पैसे देने का प्रयास किया। उनके कार्यों का पार्टी ने समर्थन नहीं किया है। इसलिए उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजा गया है।

❑ वह कोई राजनीतिक दौरा नहीं था, इसलिए पार्टी को नहीं दी जानकारी : हुमायूं कबीर

इस बारे में, कबीर ने कहा कि उन्हें अभी तक नोटिस नहीं मिला है, लेकिन मीडिया और अन्य लोगों से इसकी जानकारी मिली है। उन्होंने दावा किया कि वह कालीगंज में पार्टी प्रतिनिधि के तौर पर नहीं बल्कि एक गैर-सरकारी संगठन की ओर से गए थे, जिससे वह जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी को इसकी जानकारी नहीं दी गई, क्योंकि यह कोई राजनीतिक दौरा नहीं था।

कॉलेजों में दाख़िला जारी रहेगा, हाई कोर्ट ने ओबीसी मामले में राज्य सरकार से तलब किया हलफनामा

कोलकाता, समाज्ञा : ओबीसी प्रमाणपत्र से जुड़े एक अहम मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह आदेश ऐसे समय पर दिया है जब आरोप लगाया गया कि न्यायालय के स्पष्ट निर्देश के बावजूद राज्य में कॉलेजों में दाख़िले की प्रक्रिया जारी है। गुरुवार को न्यायमूर्ति तपोब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार को यह बताना होगा कि कॉलेजों में दाख़िले के लिए आवेदन लेने से लेकर अंतिम प्रवेश तक, क्या 2010 की ओबीसी सूची के अनुसार ही प्रक्रिया अपनाई जा रही है। अदालत ने यह जानकारी

हलफनामा के रूप में मांगी है। मामले की अगली सुनवाई चार जुलाई को होगी। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि 17 जून को हाई कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा तैयार की गई नई ओबीसी सूची पर रोक लगाई थी। इसके बावजूद, कथित तौर पर कॉलेजों में ओबीसी श्रेणियों के अनुसार दाख़िले की प्रक्रिया चलती रही। वकील ने यह भी बताया कि 2010 से पहले जारी ओबीसी प्रमाणपत्रों में किसी प्रकार का श्रेणी विभाजन नहीं था, लेकिन वर्तमान में कॉलेज प्रवेश पोर्टल पर ओबीसी-ए और ओबीसी-बी के रूप में अलग-अलग श्रेणियों का उल्लेख किया जा रहा है। वहीं, राज्य सरकार की ओर से अदालत को सूचित किया गया कि 17 जून के निर्देश के बाद एक नई अधिसूचना जारी की गई है जिसमें स्पष्ट रूप से बताया गया है कि वर्तमान में ओबीसी श्रेणियों में कोई विभाजन लागू नहीं किया जाएगा। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह समूचे घटनाक्रम पर एक विस्तृत हलफनामा पेश करे।

वीवो ने टी4 लाइट 5जी किया लॉन्च, युवाओं के लिए किफायती और दमदार स्मार्टफोन

कोलकाता, समाज्ञा : ग्लोबल स्मार्टफोन ब्रांड वीवो ने भारतीय युवाओं को ध्यान में रखते हुए वीवो टी4 लाइट 5जी लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन 6000 एमएएच की बड़ी बैटरी, मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6300 प्रोसेसर और 50एमपी सोनी एआई कैमरे से लैस है। इसमें 1000 निट्स ब्राइटनेस के साथ सेगमेंट का सबसे ब्राइट डिस्प्ले भी दिया गया है। यह डिवाइस स्लिम और प्रीमियम डिजाइन में उपलब्ध होगा, जिसमें चार्जर बॉक्स के साथ शामिल है। कंपनी का दावा है कि बैटरी की हेल्थ 5 साल तक बनी रहेगी। टी4 लाइट 5जी की बिक्री 2 जुलाई से फ्लिपकार्ट, वीवो इंडिया ई-स्टोर और सभी अधिकृत रिटेल स्टोर्स पर शुरू होगी। वीवो का यह स्मार्टफोन युवाओं को शानदार परफॉर्मेंस, स्टाइल और किफायती दाम में आधुनिक 5जी तकनीक उपलब्ध कराने की दिशा में एक और कदम है।

जंगीपुर नगर पालिका के चेयरमैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

❑ तृणमूल और विपक्षी पार्षदों का आरोप... विकास में रुकावट

मुर्शिदाबाद : जंगीपुर नगर पालिका के चेयरमैन के खिलाफ खुद उनकी पार्टी के पार्षदों ने ही अविश्वास प्रस्ताव ला दिया। तृणमूल कांग्रेस के 8 और विपक्षी कांग्रेस व बीजेपी के 3 पार्षदों ने मिलकर यह प्रस्ताव पेश किया है।

आरोप है कि चेयरमैन मफिजुल इस्लाम के नेतृत्व में नगर बोर्ड विकास के कार्यों में अड़चन डाल रहा है और सही तरीके से काम नहीं कर रहा है।

गौरतलब है कि 21 वार्डों वाले जंगीपुर नगर पालिका में पिछले नगर चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने बहुमत हासिल किया था और मफिजुल इस्लाम को चेयरमैन बनाया गया था। लेकिन पिछले एक वर्ष से नगर बोर्ड की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार विवाद बना हुआ था।

तृणमूल नेतृत्व ने आंतरिक रूप से विवाद सुलझाने की कोशिश की, लेकिन गुरुवार को 1, 2, 8, 9, 10, 17, 18, 19 और 21 नंबर वार्ड के पार्षदों ने नगर पालिका के कार्यपालक अधिकारी के पास औपचारिक तौर पर अविश्वास प्रस्ताव जमा कर दिया।

इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने वालों में तृणमूल के असंतुष्ट पार्षदों के अलावा कांग्रेस के 2 और भाजपा के 1 पार्षद भी शामिल हैं।

इस घटनाक्रम से नगर पालिका की राजनीति में हलचल मच गई है और चेयरमैन की कुर्सी अब खतरे में बताई जा रही है।

शांतनु ठाकुर का फर्जी हस्ताक्षर कर मतुआ कार्ड बनाने का आरोप, दो गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय मंत्री व भाजपा सांसद शांतनु ठाकुर का फर्जी हस्ताक्षर कर मतुआ कार्ड बनाने के आरोप में साइबर कैफे मालिक और उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शांतनु ठाकुर का फर्जी हस्ताक्षर कर ऑल इंडिया मतुआ महासंघ के पारिवारिक सदस्य कार्ड बनाने के आरोप सामने आ रहे थे। उस आरोप के आधार पर गाईघाटा थाने की पुलिस जांच के लिए उतरी। जांच में इलाके के एक साइबर कैफे मालिक का नाम सामने आया। पुलिस ने उस साइबर कैफे के मालिक और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों के नाम सबुज मंडल और मीरा मंडल हैं। वे ठाकुरनगर गाती के निवासी हैं। ठाकुरबाड़ी से सटे उनका साइबर

कैफे है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि उस कैफे में बैठकर मतुआ कार्ड बनाए जाते थे। बुधवार को शांतनु ठाकुर के करीबी मतुअ-ाओं ने उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। गिरफ्तार लोगों के पास से 14 मतुआ कार्ड और एक कंप्यूटर हार्ड डिस्क बरामद की गई है। गुरुवार को पुलिस ने आरोपियों को बनगांव उपजिला न्यायालय में पेश किया। पुलिस का मानना है कि इस घटना में और भी कई लोग शामिल हैं। पुलिस इस गिरोह की तलाश कर रही है।

सस्पेंशन हटा, लेकिन अब भी बंधन में तन्मय भट्टाचार्य! सीपीएम ने लगाए कड़े प्रतिबंध

कोलकाता, समाज्ञा

वरिष्ठ सीपीएम नेता तन्मय भट्टाचार्य का निलंबन भले ही हटा लिया गया हो, लेकिन पार्टी ने उन पर नियंत्रण की डोर और कस दी है। अब वे अपने जिले उत्तर 24 परगना में पार्टी का कोई भी काम नहीं कर सकेंगे। उन्हें केवल राज्य कमेटी के अधीन रहकर काम करना होगा।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, एक महिला पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार के आरोप में तन्मय भट्टाचार्य के खिलाफ जांच समिति बनाई गई थी। जांच के बाद उन्हें पिछले दिसंबर में छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था।

हाल ही में पार्टी के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने राज्य कमेटी की बैठक में तन्मय का सस्पेंशन खत्म करने की घोषणा की। लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तन्मय अब से केवल राज्य कमेटी के पर्यवेक्षण में ही काम करेंगे और जिला स्तर पर किसी भी पार्टी गतिविधि में भाग नहीं ले पाएंगे।

सीपीएम में आमतौर पर निलंबन खत्म होने के बाद नेता को उनके पुराने क्षेत्र में काम करने की अनुमति मिलती है। लेकिन तन्मय के मामले में अपवाद किया गया है।

राजनीतिक हलकों में सवाल उठ रहे हैं कि क्या अलीमुद्दीन स्ट्रीट स्थित पार्टी मुख्यालय ने तन्मय भट्टाचार्य पर और अधिक सख्ती दिखा दी है? सस्पेंशन हटने के बाद भी उनके हाथ-पांव बांधकर रखने की यह रणनीति असाधारण मानी जा रही है।

हावड़ा मंडल ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एटीवीएम प्रचार अभियान का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के वाणिज्य विभाग ने 25 जून को यात्रियों को स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों (एटीवीएम) के माध्यम से टिकट खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक विशेष एटीवीएम प्रचार अभियान का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य यात्रियों को यूपीआई, भीम और क्यूआर कोड आधारित ऐप्स जैसे डिजिटल भुगतान विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करना था। यह अभियान हावड़ा के डीआरएम संजीव कुमार के नेतृत्व में चलाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाना, टिकट काउंटरों पर भीड़ कम करना और नगद रहित तथा संपर्क रहित टिकटिंग प्रणाली को बढ़ावा देना था। अभियान

के दौरान यात्रियों को एटीवीएम का उपयोग कर सामान्य श्रेणी की यात्रा टिकट खरीदने की सरल प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। विशेष रूप से यह बताया गया कि किस प्रकार स्मार्टफोन में यूपीआई-सक्षम ऐप्स के माध्यम से आसानी से और बिना नकद लेन-देन किए टिकट प्राप्त किए जा सकते हैं। यह पहल डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य रेलवे संचालन को आधुनिक बनाना, डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना और पर्यावरण के अनुकूल उपायों को अपनाना है।

बजाज फिन्सर्व एएमसी ने लॉन्च किया स्मॉल कैप फंड

कोलकाता : बजाज फिन्सर्व एएमसी ने गुणवत्ता, विकास और मूल्य की पेशकश करने वाले बजाज फिन्सर्व स्मॉल कैप फंड, एक ओपन एंडेड इक्विटी योजना जो मुख्य रूप से स्मॉल कैप स्टॉक में निवेश करता है, इसके शुरुआत की घोषणा की है।यह फंड सब्स्क्रिप्शन के लिए 27 जून 2025 से खुलकर 11 जुलाई 2025 को बंद होगा। इसकी शुरुआत पर, गणेश मोहन, प्रबंध निदेशक, बजाज फिन्सर्व एएमसी ने कहां, स्मॉल कैप फंड का शुभारंभ भारत के गतिशील स्मॉल कैप जगत की दीर्घकालिक क्षमता में हमारी गहरी आस्था को प्रदर्शित करता है। पारंपरिक रूप से स्मॉल कैप अन्य व्यापक सूचकांकों से अधिक अस्थिरता प्रदर्शित करते हैं, जो बाज़ार उतार-चढ़ाव से निपटने और गुणवत्तापूर्ण अवसरों को पहचानने में सक्रिय प्रबंधन के महत्व को रेखांकित करता है। निमेष चंदन, मुख्य निवेश अधिकारी, बजाज फिन्सर्व एएमसी ने कहां, हमारा नया स्मॉल कैप फंड उन गुणवत्तापूर्ण व्यवसायों का पोर्टफोलीओ है, जो अपने आंतरिक मूल्यांकन से नीचे कारोबार कर रहे हैं। स्मॉल कैप क्षेत्र में कई इंडस्ट्रीज़ और उपक्षेत्र उपलब्ध हैं। संक्षेप में, इस स्मॉल कैप क्षेत्र में से उभरते व्यवसायों के अग्रणीयों और अन्य में चुनौती देने वालों को चुनने के अवसर उपलब्ध हैं।

कोलकाता के स्कूल को लगातार दूसरे दिन बम की धमकी, पुलिस ने तलाशी के बाद बताया अफवाह

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के दो प्रमुख स्कूलों को बम की धमकी मिलने के एक दिन बाद गुरुवार को इनमें से एक स्कूल को फिर से ऐसा ही मेल मिला। हालांकि, किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। शहर के दक्षिणी आनंदपुर इलाके में स्थित कलकत्ता इंटरनेशनल स्कूल को एक ईमेल मिला जिसमें दावा किया गया कि स्कूल परिसर में बम रखा गया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस की टीम परिसर में गहन तलाशी ले रही हैं। उन्होंने बताया कि तलाशी में अब तक कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। उल्लेखनीय है कि मध्य कोलकाता के तालतला इलाके में स्थित कलकत्ता इंटरनेशनल स्कूल और कलकत्ता बॉयज़ स्कूल को बुधवार को इसी तरह की धमकी भरे ईमेल मिले थे। पुलिस ने दोनों स्कूलों के परिसर में और उसके आसपास तलाशी ली लेकिन कुछ भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने कहा था कि वह जानकारी जुटाने के लिए ईमेल के आईपी एड्रेस की जांच की जा रही है।

पेपरफ्राई ने कलकत्ता में खोला नया स्टोर, ग्राहकों को मिलेगा बेहतर अनुभव

कोलकाता, समाज्ञा : देश की अग्रणी फर्नीचर और होम डेकोर ई-कॉमर्स कंपनी पेपरफ्राई ने पश्चिम बंगाल के कलकत्ता (कमलगाजी, सोनारपुर) में अपना नया स्टोर लॉन्च किया। यह विस्तार कंपनी की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह छोटे शहरों में भी अपने उत्पादों की पहुंच बढ़ाना चाहती है। भारत के 90+ शहरों में 150+ स्टोर्स के साथ मौजूद पेपरफ्राई, एफओएफओ (फ्रेंचाइजी ओन्ड, फ्रेंचाइजी ऑपरेटेड) मॉडल के तहत 100+ पार्टनर्स के साथ काम कर रही है। नया स्टोर नितिन सुरेखा की साझेदारी में खोला गया है, जो कमलगाजी के प्रमुख स्थान पर 1200 वर्ग फुट क्षेत्र में स्थित है। इस स्टोर में ग्राहकों को 1000+ ब्रांड्स के उत्पादों का अनुभव और इंटीरियर डिजाइन सलाह मिलेगी। इस मौके पर सीबीओ हुसैन केसुरी ने कहा कि यह साझेदारी हमारी ऑफलाइन उपस्थिति को सशक्त बनाएगी। नितिन सुरेखा ने भी इस साझेदारी को गर्व का विषय बताया और पेपरफ्राई के विजन की सराहना की।

कोलकाता में वृद्धा का सड़ा-गला शव बरामद, इलाके में सनसनी

कोलकाता : कोलकाता के जोराबागान थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक वृद्धा का सड़ा-गला शव बरामद होने से हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान 70 वर्षीय सिखा मोहंता के रूप में हुई है, जो नाथेर बागान लेन स्थित एक मकान की तीसरी मंजिल पर अकेले रहती थीं। पड़ोसियों को उनके घर से दुर्गंध आने पर सूचना दी गई। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बरामद किया। मौके पर पहुंचे स्थानीय डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित किया। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वृद्धा की मौत से इलाके में शोक व्याप्त है।

फ्लिपकार्ट ने ई-कॉमर्स पहुंच और सेलर्स के विकास को दी नई गति

कोलकाता, समाज्ञा : भारत के अग्रणी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट ने देशभर में सेलर्स की भागीदारी को सशक्त बनाने और समावेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई नई पहलें शुरू की हैं। कंपनी ने नया सेलर सक्सेस प्रोग्राम लॉन्च किया है, जिसके तहत पहले 60 दिन के लिए फ्री ऑनबोर्डिंग सपोर्ट दिया जाता है। इस पहल से नए सेलर्स की शुरुआती सफलता दर 2.3 गुना बढ़ी है। साथ ही, प्रोडक्ट डिस्कवरी, सरल प्राइसिंग प्रोसेस और ऑपरेशनल सपोर्ट को भी बेहतर किया गया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में डिजिटल कॉमर्स की पहुंच बढ़ाने के लिए कंपनी की ये रणनीतियां बेहद प्रभावी साबित हो रही हैं। फ्लिपकार्ट के सीनियर डायरेक्टर कपिल थिरानी ने कहा कि हमारा उद्देश्य हर स्तर के उद्यमियों को पारदर्शिता और सरलता के साथ आगे बढ़ने में मदद करना है। सेलर्स ने भी फ्लिपकार्ट की नई सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए इसे विकास के लिए उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।

हावड़ा स्टेशन पर बिना टिकट यात्रा पर 41,610 का वसूला गया जुर्माना

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल द्वारा 26 जून को हावड़ा स्टेशन पर एक विशेष मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाना और रेलवे टिकट नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना था। यह अभियान रेलवे मजिस्ट्रेट की निगरानी में आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ टिकट निरीक्षकों, सीटीआई (जनरल), सीटीआई (इनडोर) और सीटीआई (आउटडोर) का समन्वित सहयोग रहा। अभियान में सीटीआई/जी से 16 ट्रैवेलिंग टिकट एग्जामिनर (टीटीई), सीटीआई/आईडी से 10 टिकट एग्जामिनर (टीई) तथा रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के 17 कर्मियों की एक मजबूत टीम ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस व्यापक जांच के दौरान कुल 109 मामलों में टिकट संबंधी अनियमितताएं पकड़ी गईं। इनमें से 90 यात्री बिना वैध टिकट के यात्रा करते पाए गए, जिनसे मात्र एक घंटे में 41,610 का जुर्माना वसूला गया। हावड़ा मंडल निष्पक्ष यात्रा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और यह स्पष्ट करता है कि बिना टिकट यात्रा दंडनीय अपराध है।

एगरा कॉलेज की केमिस्ट्री लैब में भीषण आग, करोड़ों की संपत्ति खाक

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के एगरा सारदा शशिभूषण कॉलेज में गुरुवार को एक भीषण अग्निकांड की घटना सामने आई। कॉलेज परिसर स्थित साइंस बिल्डिंग की केमिस्ट्री लैब में अचानक आग लग गई, जिससे करोड़ों की संपत्ति जलकर राख हो गई। जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह करीब 7 बजे अचानक केमिस्ट्री लैब से धुआं निकलता देखा गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरा साइंस बिल्डिंग काले धुएं से घिर गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। यह हादसा कॉलेज खुलने से पहले हुआ, जिससे किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, इस दुर्घटना में लैब के कई मूल्यवान वैज्ञानिक उपकरण और जरूरी

दस्तावेज पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। अनुमानित नुकसान की राशि लगभग एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। आग की भयावहता को देखते हुए कॉलेज प्रशासन, स्थानीय प्रशासन और दमकल विभाग ने मिलकर स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल, एहतियात के तौर पर साइंस बिल्डिंग को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। दमकल विभाग और पुलिस ने आग लगने के कारण की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट या रसायनिक प्रतिक्रिया के चलते लगी हो सकती है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो पाएगी।

पेयजल समस्या को लेकर बीडीओ और इंजीनियर के साथ विधायक सुकांत पाल की अहम बैठक

हावड़ा : आमता-2 ब्लॉक क्षेत्र में पेयजल की समस्या को लेकर गुरुवार को एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आमता के विधायक सुकांत पाल, पीएचई विभाग के सहायक अभियंता पार्थसारथी हलदार, आमता-2 के बीडीओ, पंचायत समिति के अध्यक्ष, विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रधान एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। ग्रामीण इलाकों में हाल के दिनों में पेयजल संकट की शिकायतें सामने आ रही थीं। इस पर गंभीरता दिखाते हुए विधायक सुकांत पाल ने पहल की और संबंधित अधिकारियों को साथ समाधान के उपायों पर चर्चा की। विधायक सुकांत पाल ने कहा, पेयजल आम लोगों तक पहुँच रहा है, लेकिन फिर भी यदि कहीं कोई शिकायत रह जाए, तो उसका शीघ्र समाधान किया जाना जरूरी है। इसी उद्देश्य से आज की बैठक की गई है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आने वाले दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल को लेकर कोई समस्या न हो, इसके लिए लगातार निगरानी और प्रयास किए जाएंगे।

हावड़ा मंडल के हॉल्ट स्टेशनों पर एम-यूटीएस सुविधा से यात्रियों को मिलेगी राहत

कोलकाता, समाज्ञा : हावड़ा मंडल ने डिजिटल इंडिया अभियान को गति देने और छोटे स्टेशनों पर यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ठहराव स्टेशनों पर मोबाइल अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (एम-यूटीएस) के त्वरित कार्यान्वयन की दिशा में ठोस पहल शुरू की है। इस संबंध में मंडल वाणिज्य प्रबंधक एच.एन. गांगोपाध्याय की अध्यक्षता में गुरुवार को हावड़ा में सभी हॉल्ट स्टेशन ठेकेदारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान श्री गांगोपाध्याय ने ठेकेदारों को निर्देशित किया कि वे एम-यूटीएस प्रणाली को शीघ्रातिशीघ्र लागू करें, ताकि सभी स्तरों के यात्रियों को डिजिटल माध्यम से

टिकट लेने की सुविधा मिले। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डिजिटलीकरण के माध्यम से टिकटिंग प्रक्रिया को सरल, तेज और पारदर्शी बनाया जा सकता है। इस चर्चा के दौरान ठेकेदारों को अपनी समस्याएं और सुझाव खुलकर रखने का अवसर दिया गया, जिसे अधिकारियों द्वारा गंभीरता से सुना गया और तत्काल समाधान के प्रयास किए गए। यह संवाद हाल के वर्षों में रेलवे प्रशासन और ठेकेदारों के बीच प्रत्यक्ष संवाद की एक सकारात्मक मिसाल के रूप में देखा जा रहा है। यह नवाचार पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के नेतृत्व में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने शिक्षा, सामाजिक समरसता और ममता बनर्जी की भूमिका पर दी अहम टिप्पणी

हावड़ा : हावड़ा जिला प्राथमिक शिक्षा परिषद (डीपीएससी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक समरसता और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यदि 2029 तक ममता बनर्जी के कंधों पर कोई राष्ट्रीय जिम्मेदारी नहीं आती, तो वह आजीवन बंगाल की मुख्यमंत्री बनी रहेंगी। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री न केवल शारीरिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ हैं, बल्कि वह लगातार राज्य के कोने-कोने का दौरा कर रही हैं और जनता से सीधे संवाद कर रही हैं। उनके अनुसार, जैसे सभी रास्ते रोम की ओर जाते हैं, वैसे ही बंगाल की राजनीति की सारी राहें हरीश चटर्जी स्ट्रीट की ओर

जाती हैं। कार्यक्रम में अरुप राय, राजीव बनर्जी समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। रथ यात्रा को लेकर विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के बयान पर पलटवार करते हुए मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी जाति और संप्रदाय से ऊपर उठकर जनता के साथ त्योहारों में हिस्सा लेती हैं। कौन रस्सी खींचा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता; फर्क पड़ता है कि जनता किसे स्वीकारती है, उन्होंने कहा। शिक्षा मंत्री ने हावड़ा में हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर भी सरकार की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया ताकि हिंदी भाषी समुदाय को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अवसर मिल सके। उन्होंने अन्य राज्यों को चुनौती देते हुए कहा कि यदि वे भाषायी समावेशन को लेकर गंभीर हैं, तो बंगाली विश्वविद्यालय स्थापित करके दिखाएं। ओबीसी आरक्षण मामले पर उच्च न्यायालय की रोक के बाद उत्पन्न स्थिति पर मंत्री ने कहा कि मामला अब सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है, लेकिन स्नातक स्तर पर प्रवेश पोर्टल खुला है और प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है। मामला अपनी जगह चलेगा, लेकिन छात्रों का भविष्य नहीं रुकेगा,। कालीगंज की छात्रा तमन्ना की मौत को लेकर उन्होंने गहरी संवेदना प्रकट की और कहा कि यदि परिवार सीबीआई जांच चाहता है तो यह उनका अधिकार है, लेकिन राज्य सरकार इस मामले को गंभीरता से देख रही है।शिक्षा मंत्री का यह वक्तव्य न केवल शिक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी स्पष्ट करता है कि बंगाल में भाषायी और सामाजिक समावेशन को लेकर ममता बनर्जी सरकार पूरी तरह सक्रिय है।

फर्जी ऐप के जरिए डॉक्टर से 36 लाख की ठगी, बंगाली फिल्म निर्माता को सीआईडी ने किया गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : सीआईडी ने एक फिल्म निर्माता को 36 लाख रुपये के निवेश घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम प्रोसेनजीत रंजन नाथ है। सूत्रों के अनुसार, 36 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले की जांच के दौरान यह बात सामने निकलकर आई कि प्रोसेनजीत घोटाले के रैकेट में सीधे तौर पर शामिल था और घोटाले की कुल रकम में से करीब 18 लाख रुपये सीधे तौर पर प्रोसेनजीत के बैंक खाते में जमा हुए थे। इस मामले में कुछ और लोग भी सीआईडी की जांच के दायरे में हैं।

❑ कैसे हुआ था घोटाला?

यह घोटाला कुछ साल पहले एक लोकप्रिय निवेश ऐप की नकल करके बनाए गए मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए हुआ था। शिकायतकर्ता को फेसबुक पर एक विज्ञापन के माध्यम से ऐप के बारे में जानकारी मिली। फिर, उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां शेयर बाजार में निवेश कर मुनाफा कमाने का लालच दिया गया। इस ऐप के लाभार्थी होने का दावा करने वाले कुछ लोगों के बारे में कई फर्जी कहानियों को पढ़ने के बाद, वह ऐप के ज़रिए शेयर बाज़ार में निवेश करने के लिए तैयार हो गया। ऐप डाउनलोड करने के बाद उसने कुछ महीनों में कुल 36 लाख रुपये निवेश किए। सूत्र का दावा है कि शुरुआत से ही उसे अपने ऐप में ज्यादा मुनाफा दिखने लगा जिसके बाद वह और निवेश करने के लिए प्रेरित हुआ। निवेश करते-करते उसने कुछ ही महीनों के दौरान 36 लाख रुपये निवेश कर दिए। इसके बाद, उसे पहला संदेह तब हुआ जब उसने कुछ मुनाफा वापस निकालने की कोशिश की, यानि प्रॉफिट बुक करने की कोशिश की लेकिन वह बार-बार असफल रहा। अंततः उसे समझ आ गया कि वह जाल में फंस गया है। अंततः उसने ठगी का एहसास कर बरासात साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। कोलकाता हाई कोर्ट ने बाद में जांच सीआईडी को सौंप दी। जांच के दौरान, सीआईडी अधिकारियों ने पाया कि ठगे गए पैसे का आधा हिस्सा सीधे बंगाली फिल्म निर्माता प्रोसेनजीत रंजन नाथ के बैंक खाते में जमा किया गया था। उसके ठिकाने की पुष्टि होने के बाद, आरोपी व्यक्ति को बुधवार को अलीपुर इलाके से गिरफ्तार किया गया। सूत्र का दावा है कि उसके अलावा कुछ और संदिग्धों की संलिप्तता पाई गई है। अन्य संदिग्धों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि धोखाधड़ी मामले में प्रोसेनजीत रंजन नाथ की हर भूमिका की जांच जांच एजेंसी कर रही है।

स्कूल जाते समय नाव डूबी, 10-12 छात्र नदी में कूदकर बचे, इलाके में हड़कंप

हुगली : पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के खानाकुल इलाके में गुरुवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब स्कूल जा रहे करीब 10-12 छात्र-छात्राएं द्वारकेश्वर नदी में नाव डूबने की घटना का शिकार हो गए। घटना घोषपुर ग्राम पंचायत अंतर्गत नरेंद्रचक इलाके की है। समय रहते छात्रों ने नदी में छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। मौके पर बीडीओ समेत प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे हैं। घटना को लेकर इलाके में भारी उत्तेजना है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से दक्षिण बंगाल में लगातार बारिश हो रही है, जिससे द्वारकेश्वर, दामोदर और रूपनारायण जैसी नदियां उफान पर हैं। गुरुवार को छात्र-छात्राओं का एक समूह नाव के सहारे नदी पार कर स्कूल जा रहा था। बताया जा रहा है कि नाव छूटने के कुछ देर बाद ही उसमें पानी भरने लगा। अचानक हुई इस स्थिति से घबराकर छात्र-छात्राओं ने चीख-पुकार मचा दी और जान बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और बच्चों को नदी से सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना में किसी बड़े हादसे की खबर नहीं है, हालांकि दो-तीन छात्र मामूली रूप से घायल हुए हैं जिन्हें खानाकुल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस घटना के बाद प्रशासन भी हरकत में आया और खानाकुल के बीडीओ सहित संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना के बाद इलाके में आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह रोजाना का खतरा बन गया है और छात्रों की सुरक्षा के लिए वहां एक स्थायी कंक्रीट पुल का निर्माण जरूरी है। बता दें कि इससे पहले भी रूपनारायण नदी में इसी तरह की दुर्घटना हो चुकी है जिसमें ग्रामीणों ने ही डूब रहे लोगों को बचाया था।

दुर्गा पूजा पर थॉमस कुक का कम खर्च में विदेश यात्रा करने का खास ऑफर

कोलकाता, समाज्ञा : थॉमस कुक इंडिया ने दुर्गा पूजा त्योहार को और भी खास बनाने के लिए बजट-फ्रेंडली अंतरराष्ट्रीय और घरेलू यात्रा पैकेजों की घोषणा की है। इस विशेष दुर्गा पूजा यात्रा ऑफर में पर्यटकों को दुनिया के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों की यात्रा करने का मौका मिलेगा, जिनमें फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, इटली, स्कैंडिनेविया, पुर्तगाल, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम, जापान, चीन, फिलीपींस और कंबोडिया शामिल हैं। घरेलू और पास के देशों के लिए भी शानदार विकल्प दिए गए हैं, जैसे केरल, अंडमान, राजस्थान, और हेलिकॉप्टर से चारधाम यात्रा। साथ ही श्रीलंका, भूटान और नेपाल की यात्राएं भी इस पैकेज में शामिल हैं। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए कोलकाता में एक ग्रैंड हॉलीडे कार्निवल आयोजित किया गया, जहां पर्यटकों को विभिन्न टूर पैकेजों की जानकारी दी गई।

दक्षिण 24 परगना में दीवार गिरने से सोते हुए दंपति की मौत

कोलकाता : दक्षिण 24 परगना जिले के कुलपी थाना अंतर्गत विष्णुरामपुर इलाके में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में एक वृद्ध दंपति की मौत हो गई। मृतकों के नाम हैं शिवप्रसाद मंडल (75) और रेनुका मंडल (65)। स्थानीय सूत्रों और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार रात भोजन करने के बाद दोनों अपने मिट्टी के घर में सो गए थे। रात के अंधेरे में अचानक उनके ऊपर कच्चे घर की दीवार भरभराकर गिर पड़ी। रात में किसी को इस घटना की भनक नहीं लगी। गुरुवार सुबह जब पड़ोसियों ने टूटे घर और अंदर दबे दंपति को देखा, तब हड़कंप मच गया। तुरंत कुलपी थाना को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों को गंभीर हालत में डाइमंड हार्बर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है।

अभिषेक बनर्जी को 50 दिनों में दो बार आयकर विभाग ने भेजा नोटिस

कोलकाता, समाज्ञा : डायमंड हार्बर के 76 हजार वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक सहायता देने के बाद तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को 50 दिनों के भीतर आयकर विभाग से दो नोटिस मिले हैं। अभिषेक ने इस मुद्दे को राजनीतिक साजिश बताते हुए आयकर की चिट्ठियों की प्रतियां उन्हीं बुज़ुर्गों में वितरित करने का निर्णय लिया है जिन्हें उन्होंने सहायता दी थी। गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र में एक सभा को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में 76 हजार बुज़ुर्गों को सम्मानस्वरूप एकमुश्त राशि दी थी। इसके बाद, केंद्र सरकार की एजेंसियों ने उन्हें दो बार नोटिस भेजा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नहीं चाहती कि गरीबों को यह आर्थिक मदद मिले, इसीलिए उनके इस प्रयास को बाधित करने के लिए केंद्र सरकार की एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अभिषेक ने बताया कि उन्हें जो दो नोटिस मिले हैं, उनकी तारीख़ें 7 जनवरी और 24 फरवरी हैं। उन्होंने कहा कि 50 दिनों के भीतर मुझे दो चिट्ठियां भेजी गईं, क्योंकि मैं गरीबों के हाथ में मदद की राशि पहुंचा सका। लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला सका। हमारी सरकार बुज़ुर्गों को एक हजार की सहायता राशि देने में सफल रही, यही वजह है कि मुझे ये नोटिस भेजे गए। अभिषेक ने कहा कि इन चिट्ठियों को अब वो उन बुज़ुर्गों तक पहुंचाएंगे, जिन्हें उन्होंने सहायता दी थी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि दुर्गा पूजा के पहले यानी आगामी दो से तीन महीनों के भीतर इन चिट्ठियों की प्रतियां सभी 76 हजार लोगों तक पहुंचाई जाएं। उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि मैं क्यों 76 हजार बुज़ुर्गों को सम्मान राशि दे रहा हूं, इस पर आयकर विभाग ने सवाल पूछे हैं। भाजपा चाहती है कि आपकी ये सहायता बंद हो जाए। यही है भाजपा का असली चेहरा। जनसभा में अभिषेक ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आपको सेवा देना चाहता हूं, राज्य सरकार सेवा देना चाहती है, लेकिन भाजपा उसमें बाधा डाल रही है। वे चाहते हैं कि आपका पैसा गुजरात या उत्तर प्रदेश चला जाए। भाजपा इसी कोशिश में है कि बंगाल का विकास रुक जाए।

पानीहाटी में तृणमूल-सीपीएम के बीच झड़प, इलाके में फैला तनाव

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिला के खड़दह थाना अंतर्गत पानीहाटी में तृणमूल-सीपीएम के बीच हुए झड़प से पूरे इलाके में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल मौके पर पहुंची। पता चला है कि सीपीएम के जुलूस के दौरान एक सीपीएम कार्यकर्ताओं की एक ऑटो चालक से कहासुनी हो गई। सीपीएम कार्यकर्ताओं पर ऑटो चालक की पिटाई करने और ऑटो में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया गया। दरअसल, पानीहाटी के पानशिला इलाके में सीपीएम के जुलूस के दौरान सीपीएम कार्यकर्ताओं की एक ऑटो चालक से कहासुनी हो गई। जुलूस के दौरान सड़क जाम कर दी गई। उस समय ऑटो चालक को ऑटो से यात्रियों

को उतारने में दिक्कत हुई और जब उसने विरोध किया तो ऑटो चालक को सीपीएम कार्यकर्ताओं ने पीटना पड़ा। ऑटो का शीशा भी तोड़ दिया गया। घटना में घायल ऑटो चालक को लेकर यूनियन के लोगों ने सीपीएम कार्यालय का घेराव किया। आरोप है कि घटना के बाद सीपीएम कार्यकर्ता मौके से फरार हो गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए खड़दह थाने से भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

प्रगति मैदान थाने के सामने से ओसी की कार हुई चोरी, आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर में गुरुवार को एक थाने के सामने से ओसी की कार चोरी का सनसनीखेज मामला सामने आया। पता चला है कि प्रगति मैदान थाना परिसर में हुई इस घटना को लेकर काफी हंगामा हुआ। हालांकि, आरोपी पुलिस के जाल में फंस गया। अभियुक्त का नाम इमरान हुसैन (19) है। वह उत्तर दिनाजपुर का रहने वाला है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, प्रगति मैदान थाने के सामने से ओसी की कार अचानक गायब हो गई। इसे लेकर बड़ा मामला दर्ज किया गया। पुलिस कर्मी सीसीटीवी फुटेज देखने बैठ गए ताकि पता चल सके कि कार कहां गायब हुई। इसमें देखा गया कि शाम करीब 5.08 बजे एक युवक कार लेकर जा रहा था। उसने नारंगी रंग की टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहन रखा था। आनन-फानन में हर थाने को सूचना दी गई। पुलिस की गाड़ी की

तलाश में हर चौराहे पर तलाशी तेज कर दी गई। आखिर में ट्रैफिक गार्ड ने कस्बा थाना क्षेत्र में पुलिस की गाड़ी रोकी। उसे पुलिस ने पकड़ लिया। कार को जब्त कर लिया गया। फिर, गिरफ्तार व्यक्ति को प्रगति मैदान थाने ले जाया गया। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह उत्तर दिनाजपुर से कोलकाता क्यों आया और कार क्यों चुराई? वे यह भी जांच कर रहे हैं कि युवक के साथ कोई और भी शामिल है या नहीं। पुलिस को उम्मीद है कि गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ करके घटना से जुड़ी सारी जानकारी हासिल की जाएगी।

बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा के पास 2.31 करोड़ रुपये से अधिक का सोना किया जब्त

कोलकाता, समाज्ञा : बीएसएफ ने उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास सोने के 20 बिस्कुट बरामद किए हैं। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जब्त किये गये 2.367 किलो सोने का अनुमानित बाजार मूल्य 2.31 करोड़ रुपये से अधिक है। अधिकारी ने बताया कि जीतपुर सीमा चौकी पर तैनात 59 बटालियन के जवानों ने बुधवार को सीमा पार करने की कोशिश कर रहे एक साइकिल सवार व्यक्ति को रोका और उसके पास से सोने के बिस्कुट बरामद किए। अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण करने पर उन्हें साइकिल के पिछले टायर में एक असामान्य उभार दिखाई दिया और जांच करने पर उसके अंदर छिपाकर रखे गए सोने के 20 बिस्कुट बरामद हुए। अधिकारी ने बताया कि हालांकि, तस्कर भागने में सफल रहा।

कालीगंज में बम विस्फोट में नाबालिग की मौत पर माकपा कल राज्य भर में निकालेगी विरोध रैली

कोलकाता : नदिया जिले के कालीगंज में विधानसभा उपचुनाव की मतगणना के दौरान बम विस्फोट में एक लड़की की मौत की घटना के खिलाफ माकपा शनिवार को राज्यभर में विरोध रैली निकालेगी। माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने कालीगंज में उपचुनाव प्रक्रिया के दौरान हिंसा की शिकायतों और आशंकाओं पर कार्रवाई नहीं की। उन्होंने चुनाव आयोग पर राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए माहौल बनाने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 28 जून, शनिवार को माकपा कालीगंज में भी एक प्रतिवाद सभा करेगी। 29 जून को माकपा का प्रतिनिधिमंडल

भी वहां जाएगा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाममोर्चा के चेयरमैन बिमान बसु करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि माकपा से जुड़े होने के कारण ही इस घटना को अंजाम दिया गया। उन्होंने घटना से जुड़े अपराधियों को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग की। सलीम ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस की गुंडावाहिनी 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले ब्लूप्रिंट तैयार कर रही है। लोगों को भय दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को माकपा राज्य कमेटी की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें नौ जुलाई को आहूत हड़ताल सहित आनेवाले दिनों में आंदोलन को लेकर रूपरेखा तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में शिक्षा व स्वास्थ्य की दशा खराब है। खाद्य विभाग का पैसा डायवर्ट कर दीघा में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर के नाम पर पूरे राज्य में प्रसाद वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिख धर्म में भी लंगर की व्यवस्था है, लेकिन यह सरकार द्वारा नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि संविधान का नियम माना जाए, तो यह सरकार का काम नहीं है। दवाओं की कीमत लगातार बढ़ रही है। इसे लेकर कोई आवाज नहीं उठा रही है।

पूर्व मेदिनीपुर में बाइक न मिलने पर युवक ने की आत्महत्या

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के बसुदेवपुर थाना क्षेत्र में एक युवक ने बाइक न मिलने पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अरिजीत दास (25) के रूप में की गई है। मृतक अरिजीत, जिसे इलाके में टुबलू के नाम से जाना जाता था, श्यामनगर शक्तिगढ़ तलीखोला का निवासी था। पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी और मां घर-घर काम कर किसी तरह दो वक्त की रोटी जुटा रही थी। लेकिन, टुबलू ने अपनी मां से तीन लाख रुपये की महंगी बाइक की मांग की। मां की आर्थिक हालत ऐसी नहीं थी कि वह इतनी महंगी बाइक दिला सके। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना के दिन टुबलू ने अपनी मां को घर से बाहर निकाला और दरवाज़ा अंदर से बंद कर लिया। मां ने दरवाज़ा खटखटाया, लेकिन टुबलू ने दरवाज़ा नहीं खोला। चचेरे भाई ने दरवाज़ा तोड़ा और अंदर जाने पर देखा कि टुबलू ने पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

द्वारकेश्वर नदी में नहाते समय डूबा नाबालिग छात्र, मौत

बांकुड़ा : एक नाबालिग छात्र अपने मामा और दो दोस्तों के साथ द्वारकेश्वर नदी में नहाते समय डूब गया और उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, यह घटना गुरुवार की दोपहर इंदास थाना अंतर्गत समरोघाट पुल के पास घटी। मृतक की पहचान शेख सलमान के रूप में की गई है। बाद में, स्थानीय निवासियों ने द्वारकेश्वर नदी में खोजबीन कर छात्र का शव बरामद किया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शेख सलमान बांकुड़ा के इंदास प्रखंड का निवासी है। वह पांचवी कक्षा का छात्र था। इस दिन, स्कूल न जाकर दोपहर में शेख सलमान अपने चाचा और परिवार के दो अन्य सदस्यों के साथ स्थानीय द्वारकेश्वर नदी के समरोघाट पर स्नान करने गया। वहां पहुंचते ही सलमान और

उसके दो दोस्त पानी में उतर गए। नदी में बहाव तेज होने के कारण तीनों डूबने लगे। स्थानीय निवासियों ने उसे देख लिया और किसी तरह अन्य दो दोस्तों को नदी किनारे ले आए। बाद में, स्थानीय सूत्रों से सूचना मिलने के बाद आपदा प्रबंधन की टीम आनन-फानन में मौके पर पहुंची और लापता छात्र की तलाश में नदी में तलाशी शुरू की। बाद में, घटनास्थल के पास से उक्त छात्र का शव बरामद किया गया।

श्रीरामपुर थाने के तरफ से अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

हुगली : चंदननगर पुलिस आयुक्तालय के निर्देश पर अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस के अवसर पर गुरुवार को महेश हाई स्कूल और श्रीरामपुर थाना के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरुआत महेश हाई स्कूल से हुई, जो महेश स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथ रथ स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। इस रैली में श्रीरामपुर थाना के अधिकारी, एसआई, एएसआई, सिविक वॉलंटियर, कांस्टेबल और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। प्रतिभागियों ने हाथों में नशामुक्ति के संदेश वाले पोस्टर और बैनर लेकर नशे के खिलाफ समाज को जागरूक करने का संदेश दिया। रैली का उद्देश्य युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने और एक स्वस्थ, जिम्मेदार

जीवन की ओर प्रेरित करना था। इस मौके पर श्रीरामपुर थाना प्रभारी सुखमय चक्रवर्ती ने कहा, मादक पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि यह समाज में अपराध और असामाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है। ऐसे आयोजन युवाओं को सही दिशा में ले जाने के लिए आवश्यक हैं। स्कूल प्रबंधन ने सभी प्रतिभागियों को उनके सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में भी इस प्रकार की सामाजिक जागरूकता अभियानों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का संकल्प दोहराया।

बिजय उत्सव के नाम पर 9 वर्षीय बच्ची की मौत के खिलाफ उलुबेरिया में कांग्रेस का प्रदर्शन

हावड़ा : कालिगंज उपचुनाव में जीत के जश्न के दौरान हुई हिंसा में 9 वर्षीय मासूम तमन्ना खातून की बम से हत्या कर दी गई। इस अमानवीय घटना के खिलाफ गुरुवार को उलुबेरिया में कांग्रेस पार्टी ने जोरदार विरोध और निंदा सभा आयोजित की। इस विरोध सभा का आयोजन पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार के निर्देश पर और वरिष्ठ कांग्रेस नेता व प्रोफेसर डॉ. रिभु सान्याल के नेतृत्व में उलुबेरिया महकुमा कांग्रेस की ओर से उलुबेरिया लॉकगेट बाजार परिसर में किया गया। सभा में प्रमुख रूप से उपस्थित थे प्रदेश कांग्रेस के सह-सभापति एवं आमता के पूर्व विधायक असित मित्रा, हावड़ा जिला कांग्रेस के सह-सभापति हाफिजुर रहमान, महिला कांग्रेस नेता रीता फारिया, कांग्रेस नेता सिद्धेश्वर गांगुली, जनाब अब्दुल हई, वरिष्ठ नेता मोकलेशुर जमान, प्रदेश कांग्रेस नेता आलम दैयान, सेवादल की ओर से मोइनुद्दीन और अब्दुल मोजाम। इसके अलावा, कार्यक्रम में उपस्थित थे उलुबेरिया दक्षिण विधानसभा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष मासिदुर रहमान और सुकुमार दास, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष प्रलय मंडल, शेख आशादुल समेत अन्य नेता। कार्यक्रम का संचालन किया प्रदेश कांग्रेस सदस्य विश्वजीत मेउर ने। नेताओं ने एक सुर में तमन्ना खातून की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त सजा की मांग की। साथ ही, सरकार पर आरोप लगाया गया कि वह चुनावी जीत के नाम पर कानून व्यवस्था को ध्वस्त होने दे रही है।

मोहम्मद अली पार्क में खूंटी पूजा के साथ दुर्गा पूजा आयोजनों की हुई भव्य शुरुआत

कोलकाता, समाज्ञा : मोहम्मद अली पार्क यूथ एसोसिएशन द्वारा गुरुवार को पारंपरिक खूंटी पूजा के साथ शारदीय दुर्गा पूजा की 57वीं वर्षगांठ का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह पूजा न केवल कोलकाता की सबसे आकर्षक और रचनात्मक दुर्गा पूजाओं में गिनी जाती है, बल्कि इसकी विशिष्ट स्थापत्य शैली, समाजसेवी गतिविधियों और सांप्रदायिक सौहार्द के लिए भी प्रसिद्ध है। हर वर्ष की तरह इस बार भी पूजा की शुरुआत ढाक की मधुर ध्वनि और भक्ति भाव से परिपूर्ण वातावरण में की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक स्मिता बख्शी, पूर्व विधायक संजय बख्शी, पार्षद एवं बोरो चेयरमैन रेहाना खातून, पार्षद मीना देवी पुरोहित, पार्षद विजय उपाध्याय, रामचंद्र बड़ोपलिया, राजगिरी सिंह और ओम प्रकाश पोद्दार, प्रधान सचिव सुरेंद्र शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष रमेश लखोटिया एवं प्रमोद चांडक, कोषाध्यक्ष सुभाष गोयनका, अशोक ओझा, जय गोविंद इंदोरिया, सज्जन शर्मा, प्रदीप रुईया, गिरधारी शॉव, विजय अग्रवाल, पवन बंसल, देवकी नंदन धेलिया, अनिल शर्मा (गुड्डू), सचिन शर्मा, गणेश शर्मा, संजीव शर्मा, प्रभात तिवारी, संदीप सोमानी, संजीव राठी, रमेश जैन तथा सुशील जैन उपस्थित रहे। मोहम्मद अली पार्क यूथ एसोसिएशन हर वर्ष दुर्गा पूजा को एक नई अवधारणा के साथ प्रस्तुत करता है। इस बार भी समिति ने पंडाल निर्माण, मूर्ति कला, सुरक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक आयोजन के सभी पहलुओं में रचनात्मकता और नवाचार को प्रमुखता दी है। आयोजन समिति के महासचिव सुरेंद्र कुमार शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि खूंटी पूजा न केवल आयोजन की शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि यह हमारी परंपरा, आस्था और समाज के प्रति जिम्मेदारी की निरंतरता का भी प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पूजा को और अधिक भव्य बनाने का प्रयास किया गया है, जिसमें भक्तों को एक नई अनुभूति होगी। इस आयोजन की जानकारी शंभुनाथ मिश्रा द्वारा साझा की गई।

स्वामी सहजानंद सरस्वती की 75वीं पुण्यतिथि पर भाटपाड़ा में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : ब्रह्मर्षि भाटपाड़ा के तत्वावधान में गुरुवार को स्वामी सहजानंद सरस्वती की 75वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और समाज में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर भूतपूर्व प्रधानाध्यापक विजय कुमार पांडेय, रामकीर्ति राय, राज दयाल राय, रमा शंकर पांडेय, उमा शंकर सिंह, जतिन कुमार शुक्ला, मनोरंजन सिंह, लाल बाबू सिंह, नीरज राय सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

दिल रहेगा दुरुस्त, जब रोज की डाइट में होंगे ये 4 सुपरफूड्स

कोलकाता, समाज्ञा : दिल की बीमारियों और हाई ब्लड प्रेशर जैसी लाइफस्टाइल संबंधी समस्याओं से बचने के लिए कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण में रखना बेहद जरूरी है। मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली की रीजनल हेड - डाइटेटिक्स ऋतिका समद्दार के अनुसार, संतुलित खानपान और नियमित व्यायाम इसके लिए सबसे प्रभावी उपाय हैं। रोज की डाइट में चार सुपरफूड्स - बादाम, ओट्स, साबुत अनाज, फल और लहसुन को शामिल करने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रित रहता है और दिल की सेहत बेहतर होती है। बादाम एंटीऑक्सीडेंट्स और हेल्दी फैट्स से भरपूर होते हैं, जो बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाकर गुड कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। साबुत, अनाज और ओट्स वजन नियंत्रण में रखकर दिल को मजबूत बनाते हैं। फाइबर से भरपूर फल पेट को लंबे समय तक भरा रखते हैं और कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करते हैं। वहीं, लहसुन का नियमित सेवन एलडीएल और टोटल कोलेस्ट्रॉल को घटाता है। इन छोटे लेकिन असरदार बदलावों से दिल की सेहत को लंबे समय तक बनाए रखा जा सकता है।

अवैध संबंध में युवक की हत्या, दो दोषी करार

हावड़ा, समाज्ञा : विवाहेतर संबंध के विवाद के चलते एक युवक की हत्या करने के जुर्म में हावड़ा के द्वितीय अतिरिक्त न्यायालय के जज सोमेश प्रसाद सिन्हा ने दो अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। इस मामले में सोमवार को सजा की घोषणा की आयेगी। अभियुक्तों के नाम नजरुल मोला और सबीर लस्कर है, जबकि मृतक का नाम बिस्मिल्ला (25) था। यह जानकारी सरकारी पक्ष के वकील (एपीपी) अरिंदम मुखोपाध्याय ने दी। घटना की जानकारी देते हुए एपीपी ने बताया कि बिस्मिल्ला का सबीर लस्कर की बेटी के साथ विवाहेतर संबंध था। इसी को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। वर्ष 2022 में नवंबर में शाम को नजरुल और सबीर एक साथ बिस्मिल्ला के घर पहुंचे। यहां कुछ देर तक तीनों के बीच बातचीत हुई। इसके बाद, तीनों एक साथ निकल गये। बिस्मिल्ला ने पत्नी को बताया कि वह रात 11 बजे तक घर लौट आयेगा, लेकिन वह घर नहीं लौटा। दूसरे दिन सुबह सांकराइल थाना अंतर्गत आंटूल ग्राम पंचायत कार्यालय की पीछे बिस्मिल्ला को रक्तरंजित हालत में लोगों ने देखा। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बिस्मिल्ला की हत्या की गयी थी। घटनास्थल से पुलिस ने तीन ग्लास और सराब की बोतलें बरामद की। मृतक की पत्नी ने नजरुल मोड़ा और सबीर लस्कर के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज करायी। पुलिस ने दोनों को पहले हिरासत में लिया। घटनास्थल से मिली ग्लास को फिंगर एक्सपर्ट के पास जांच के लिए भेजा गया। इन प्लास पर आरोपियों के अंगुलियों के निशान पाये जाने पर पुलिस का शक यकीन में बदल गया और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

न्यूज इन ब्रीफ

झारखंड: हजारीबाग में पुलिस ने दो दिन में 107 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया

हजारीबाग(झारखंड): झारखंड के हजारीबाग जिले में 24 जून को शुरू किये गए एक विशेष अभियान के दौरान 100 से अधिक वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जिला पुलिस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि यह अभियान मंगलवार रात शुरू किया गया था और संपत्ति कुर्की से संबंधित मामलों में फरार वारंटियों एवं आरोपियों के खिलाफ आज भी जारी रहा। बयान के अनुसार, 107 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अदालत के आदेशों के अनुपालन में जिले के विभिन्न पुलिस थानों में मामले दर्ज किये गए।

संभल में सरकारी जमीन पर बनी अवैध मजार को ध्वस्त किया गया

संभल: उत्तर प्रदेश के संभल जिले में अखवंदपुर काफूरपुर गांव में सरकारी जमीन पर बनी अवैध मजार को प्रशासन ने बृहस्पतिवार को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि यह ढांचा कथित तौर पर प्लॉट संख्या 384 पर अतिक्रमण करके बनाया गया था, जो इचोंडा कम्बोह को भावलपुर से जोड़ने वाली सार्वजनिक सड़क के लिए निर्धारित भूमि पर स्थित है। अधिकारियों के मुताबिक पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी में राजस्व विभाग की टीम की देखरेख में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। मनोटा के राजस्व निरीक्षक विजय पाल सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि यह कार्रवाई जिलाधिकारी और संभल के उप जिलाधिकारी के आदेश पर सरकारी निर्देशों के अनुसार की गई। सिंह ने कहा, इस कार्य के लिए एक टीम गठित की गई थी। भूमि की पैमाइश और अतिक्रमण की पुष्टि के बाद सार्वजनिक सड़क पर अवैध रूप से निर्मित मजार को जेसीबी मशीन का उपयोग करके हटा दिया गया।

ब्रह्मोस, आकाश का पाकिस्तान पर हुआ परीक्षण, दुनिया के लिए विश्वसनीय बनीं: योगी आदित्यनाथ

गाजियाबाद: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण होने के बाद अब ये मिसाइल दुनिया के लिए विश्वसनीय बन गई हैं। योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस मिसाइल के लिए विभिन्न कलपुर्जों की आपूर्ति करने वाले उपक्रम सेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) के ईएसडीएस के साथ मिलकर स्थापित किए जाने वाले हरित डेटा सेंटर की आधारशिला रखते हुए यह बात कही। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के साहिबाबाद में स्थित सीईएल परिसर में इस डेटा सेंटर की स्थापना लगभग 1,000 करोड़ रुपये के निवेश से की जाएगी। इसकी क्षमता 30 मेगावाट की होगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) ब्रह्मोस मिसाइल के लिए विभिन्न कलपुर्जों की आपूर्ति करती है, जिनका उत्पादन रक्षा औद्योगिक गलियारे के लखनऊ क्षेत्र में किया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, हाल ही में

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमने आकाश और ब्रह्मोस मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। मुझे लगता है कि हम इन दोनों मिसाइल के बारे में कह सकते हैं कि इनका पाकिस्तान में परीक्षण किया गया और अब ये दुनिया के लिए विश्वसनीय बन गई हैं। उन्होंने कहा कि सीईएल इन मिसाइल के लिए रेडोम, रडार प्रणाली, स्पीड कंट्रोल प्रणाली के लिए कलपुर्जे और सिस्टम की आपूर्ति करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय सीईएल के भविष्य को लेकर अनिश्चितता थी, लेकिन अब यह 'मिनी रत्न' विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीईएल भारत में अपनी तरह का पहला डेटा सेंटर स्थापित कर रही है, जो उनकी क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को पिछले आठ वर्षों में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें रक्षा इकाइयों के लिए 25,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश का पहला डेटा सेंटर 2022 में शुरू हुआ था और अब राज्य में छह डेटा सेंटर हैं।

शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद उनके परिवार से मिले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के परिवार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर शिष्टाचार भेंट के दौरान शुक्ला की मां आशा शुक्ला, पिता शंभू दयाल शुक्ला, बहन सुचि मिश्रा और भतीजे वैश्विक मिश्रा का मुख्यमंत्री ने गर्मजोशी से स्वागत किया और परिवार की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी। आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'भारत के लिए ऐतिहासिक दिन।' उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बनने पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को बधाई। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, भारत अंतरिक्ष विज्ञान और सहयोग में एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 140 करोड़ भारतीयों के सपनों और उम्मीदों को लेकर इस यात्रा को सलाम। 'एक्सिओम मिशन 4' के पूरे दल को सफलता की शुभकामनाएं।'

लालू बिहार की सत्ता में लौटने का सपना देख रहे हैं, लेकिन परिवार को संभाल ही नहीं पा रहें: गिरिराज

रांची: केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री राज्य की सत्ता में लौटने का सपना देख रहे हैं, लेकिन अपना परिवार संभाल ही नहीं पा रहे हैं। सिंह ने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में फिर से सरकार बनाएगा। केंद्रीय मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''लालू प्रसाद बिहार चुनाव जीतने के लिए 'मुंगेरी लाल के हसीन सपने' देख रहे हैं, लेकिन अपने परिवार को संभाल ही नहीं पा रहे हैं। उनके एक बेटे ने बगावत कर दी है। आने वाले दिनों में राजग फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में सरकार बनाएगा।' सिंह

आपातकाल की 50वीं बरसी पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने आए थे। बाद में, संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सिंह ने आरोप लगाया कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या की थी। उन्होंने झारखंड सरकार पर बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया।

अंतरराज्यीय मार्गों पर करीब 300 बसें चलेंगी : नीतीश कुमार

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में रहने वाले प्रवासियों की सुविधा के लिए लगभग 300 बसें 'अंतरराज्यीय मार्गों' पर चलेंगी। कुमार ने कहा कि ये बसें त्योहारों के मौसम में काम आएंगी, क्योंकि छठ पूजा, होली, दिवाली और दुर्गा पूजा के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने गृह राज्य जाते हैं। इनमें वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित दोनों तरह की बसें शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि 24 जून को 105.82 करोड़ रुपये की लागत से 75 वातानुकूलित और 74 डीलक्स बसों की खरीद के लिए कैबिनेट की मंजूरी

दी गई थी, जबकि अन्य 150 एसी बसें सार्वजनिक-निजी-भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर चलाई जाएंगी। उन्होंने कहा, ''दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पश्चिम बंगाल में रहने वाले राज्य के लोग छठ पूजा, होली, दिवाली और दुर्गा पूजा जैसे त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में बिहार आते हैं। त्योहारों के मौसम में उन्हें बिहार की यात्रा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।'' मुख्यमंत्री ने पोस्ट में लिखा, ''हमारी सरकार ने बिहार आने वालों के लिए यात्रा को सुगम और अधिक सुविधाजनक बनाने के वास्ते कई कदम उठाये हैं तथा पहल की हैं। इस पहल के तहत, राज्य सरकार बिहार से जुड़े अंतर-राज्यीय मार्गों पर कुल 299 वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित बसें चलाने की तैयारी कर रही हैं। चौबीस जून को हुई कैबिनेट की बैठक में इसे मंजूरी दी गयी।'' मुख्यमंत्री ने लिखा कि राज्य सरकार त्योहारों, खासकर छठ पूजा, होली, दिवाली और दुर्गा पूजा के दौरान अतिरिक्त विशेष ट्रेन चलाने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध करेगी।

न्यूज अपडेट

महाराष्ट्र के कुख्यात ईरानी गिरोह के तीन सदस्य बुलंदशहर में गिरफ्तार

बुलंदशहर (उप्र): महाराष्ट्र के कुख्यात ईरानी गिरोह के तीन सदस्यों को बृहस्पतिवार को यहां स्याना कस्बे से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि स्याना पुलिस और स्वाट (स्पेशल वेपन्स एंड टैक्टिक्स) टीम ने संयुक्त अभियान में तीनों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के आभूषण, नकदी, अवैध हथियार और अन्य सामग्री बरामद की। आरोपियों की पहचान अख्तर सैयद, फिरोज हुजत अली जाफरी और निसार बुंदू शाह के रूप में हुई है और ये सभी महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। स्याना के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शंकर प्रसाद ने बताया कि गिरोह के सदस्य महाराष्ट्र से ट्रेन से आते हैं, उन जिलों में होटल में रूकते हैं जहां उन्हें चोरी करनी होती है और फिर वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से चोरी के आभूषण, 7,000 रुपये नकद, लगभग 150 रुपये की भूटानी मुद्रा, कारतूस के साथ तीन देसी तमंचे, तीन मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किया गया। अधिकारी ने दावा किया कि आरोपियों ने स्याना इलाके में एक आभूषण की दुकान में हाल में हुई चोरी में अपनी संलिप्तता कबूल की है।

झारखंड: किसान के घर में फंसे बाघ को सुरक्षित बाहर निकालकर पलामू बाघ अभयारण्य में छोड़ा गया

रांची: झारखंड के रांची जिले में एक किसान के घर में घुसे रॉयल बंगाल टाइगर को सुरक्षित पकड़कर बृहस्पतिवार सुबह पलामू बाघ अभयारण्य (पीटीआर) के एक बाड़े में छोड़ दिया गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रारंभ में माना जा रहा था कि यह बाघ पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल का है, लेकिन बाद में इसकी पहचान पीटीआर के बाघ के रूप में की गई। अभयारण्य के क्षेत्र निदेशक एसआर नटेश ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'हमने सुबह करीब आठ बजे बाघ को निगरानी के लिए एक सेंटर में भेजा है, जिसके बाद उसे जंगल में छोड़ दिया जाएगा।' वन अधिकारियों द्वारा 'किला' नाम दिए गए नर बाघ को पहली बार अक्टूबर 2023 में पलामू किले के पास देखा गया था।

स्टेज डांसर से शादी करने पर परिवार ने व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या की

गोरखपुर: उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में ऑर्केस्ट्रा डांसर से शादी करने से नाराज परिवार के सदस्यों ने 30 वर्षीय एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अमित के रूप में हुई है। उसने 2022 में ऑर्केस्ट्रा डांसर अनीता से शादी की थी। इस शादी का उसके परिवार, खासकर उसकी मां मीरा देवी और भाई-बहनों ने कड़ा विरोध किया था, जिसके कारण दंपति जल्द ही दिल्ली चले गए। बुधवार शाम को अमित पत्नी अनीता के साथ अपने पैतृक गांव लौटा और परिवार के घर में फिर से घुसने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक अमित की मां और बहनों ने उनकी मौजूदगी पर आपत्ति जताई तो विवाद शुरू हो गया। शाम को बाद में टकराव बढ़ गया और अमित पर उसकी मां, दो बहनों और एक भाई ने लाठी-डंडों से हमला किया। पुलिस ने बताया कि अमित के सिर में गंभीर चोटें आईं और वह घटनास्थल पर ही गिर पड़ा। जब अनीता ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो उस पर भी हमला किया गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसने दंपति को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अमित ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, जबकि अनीता को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

हर फिल्म के साथ खुद को बेहतर बनाने का प्रयास करता हूं: अभिषेक बच्चन

अभिनेता अभिषेक बच्चन का कहना है कि हर कलाकार का 'लेटेस्ट' (हाल का) काम उसका 'बेस्ट' (सर्वश्रेष्ठ) होना चाहिए और इसी का अनुसरण करते हुए वह कोशिश करते हैं कि हर फिल्म के साथ खुद को बेहतर बनाते चलें।

'युवा', 'गुरु' और 'धूम' सहित कई अन्य फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए प्रशंसा बटोर चुके अभिषेक बच्चन ने यह भी कहा कि 10 वर्ष पहले और अभी के अभिनय में अंतर ना हो तथा उसमें और सुधार ना आए तो यह 'दुख' की बात होगी।

अपनी आने वाली फिल्म 'कालीधर लापता' के प्रचार के सिलसिले में भोपाल आए अभिषेक ने 'पीटीआई-वीडियो' के साथ साक्षात्कार में कहा, 'मुझे लगता है कि कलाकार का जो 'लेटेस्ट' काम हो, वह उसका बेस्ट होना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'जो काम मैंने 10 वर्ष पहले किया हो और आज जो काम कर रहा हूं, उसमें अगर अंतर ना हो या उसमें बेहतर नहीं कर पाऊं तो यह (मेरे लिये) दुख की बात होगी। इसलिए मैं कोशिश में रहता हूं कि हर फिल्म के साथ अपने आप को थोड़ा बेहतर करता जाऊं।'

अभिषेक बच्चन अभिनीत 'कालीधर लापता' फिल्म चार जुलाई को ओटीटी मंच 'जी5' पर प्रदर्शित होने वाली है।

इस फिल्म का निर्देशन दक्षिण भारतीय फिल्मों की निर्देशक मधुमिता ने किया है, जिन्होंने तमिल भाषा की फिल्म केडी (करुप्पूदुरई) बनाई थी।

फिल्म में भोपाल के रहने वाले बाल कलाकार दैविक बाघेला ने भी महत्वपूर्ण किरदार निभाया है।

अभिषेक बच्चन से जब यह पूछा गया कि 'कालीधर लापता' में ऐसा क्या है कि जिसके लिए दर्शक यह फिल्म देखेंगे, उन्होंने कहा कि जब भी उनसे यह सवाल पूछा जाता है तो वह इसका जवाब नहीं दे पाते हैं।

उन्होंने कहा, 'क्योंकि अगर मुझे फिल्म बनाने के बाद आपको यह बताना पड़े कि आप इस फिल्म को क्यों देखें तो कहीं ना कहीं हमारे काम में कमी है। अगर फिल्म का 'प्रोमो' देखकर आपको लगे कि यह फिल्म अच्छी नहीं बनी है तो मत देखिए।'

अभिषेक ने कहा, 'लेकिन हमारा काम कहानी को दिखाना है। आप अगर प्रोमो देखें तो यह आपको मजेदार लगेगा। बहुत ही प्यारी फिल्म है। यह दो दोस्तों के बारे में है। एक बल्लू और काली के बारे में।'

फिल्म में दैविक बाघेला ने बल्लू का किरदार निभाया है।

'कालीधर लापता' में अभिषेक बच्चन ने कालीधर नाम के एक मध्यम आयु वर्ग के व्यक्ति का अभिनय किया है, जिसकी याददाश्त कमजोर है और जिसने जिंदगी में बहुत धोखे खाए।

वर्ष 2000 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'रिफ्यूजी' से अपने सिनेमाई सफर की शुरुआत करने वाले अभिषेक बच्चन से जब फिल्मों से हासिल उनके अनुभवों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह अपनी हर फिल्म से कुछ न कुछ सीखने का प्रयास करते हैं।

उन्होंने कहा, 'जो भी फिल्म करूं कोशिश यही होती है कि जब उसकी शूटिंग खत्म हो जाए तो उस किरदार का थोड़ा बहुत गुण अपने साथ रह जाए।'

अभिषेक की हालिया फिल्म 'हाउसफुल 5' छह जून को रिलीज हुई थी, जिसमें अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अन्य कलाकार भी हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने 'कालीधर लापता' में अपने पिता अमिताभ बच्चन के अभिनय की अनुसरण करने का प्रयास किया, जिसपर अभिषेक ने कहा, 'नहीं।'

उन्होंने कहा, 'क्योंकि मेरे निर्देशक ने मुझे ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया था। किरदार उनका (अमिताभ) नहीं, मेरा है... इसलिए।'

अभिषेक बच्चन ने मध्यप्रदेश में फिल्म की शूटिंग के अपने अनुभवों को 'बहुत ही अच्छा' बताया और कहा कि यहां की सारी व्यवस्थाएं भी शानदार थीं।

उन्होंने कहा, 'मुंबई जाकर दोस्तों को बताऊंगा कि मुंबई से बाहर अगर आपको कहीं शूटिंग करनी है तो आप मध्यप्रदेश में शूटिंग करें। बहुत ही अच्छा है।'

मध्यप्रदेश के भोपाल में अभिषेक बच्चन का ननिहाल है।

उनकी मां जया बच्चन भोपाल की ही हैं और आज भी उनके परिजन यहां रहते हैं।

अभिषेक ने कहा, 'यहां आकर हमेशा अच्छा लगता है क्योंकि काम खत्म करने के बाद नानी के साथ समय बिता सकते हैं।'

अभिषेक बच्चन ने फिल्म में अभिनय के लिए दैविक की सराहना की और कहा कि वह बहुत ही अच्छे कलाकार हैं।

उन्होंने कहा, 'उनसे (दैविक से) काफी कुछ सीखने को मिला। प्रार्थना करूंगा कि आगे जाकर उनके साथ एक और फिल्म बनाऊं अगर वह आज्ञा दें तो।'

दैविक ने कहा कि यह उनकी पहली फिल्म है और इससे पहले तक वह थियेटर में ही सक्रिय थे।

उन्होंने कहा कि अभिषेक बच्चन जैसे कलाकार और मधुमिता जैसे निर्देशक के साथ काम करके उन्हें बहुत अच्छा अनुभव हासिल हुआ।

उन्होंने कहा, 'दोनों ने मुझे बहुत अच्छे से सिखाया कि कैसे अभिनय करना है। पहले मैं थिएटर करता था और थियेटर व फिल्म की अदाकारी अलग-अलग होती है। इस फिल्म में काम करके मुझे पता चला कि सिनेमा में कैसे अभिनय किया जाता है।'

निर्देशक मधुमिता ने 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में कहा कि इस फिल्म में 'दोस्ती' एक महत्वपूर्ण पक्ष है क्योंकि जीवन के हर मोड़ में दोस्तों की जरूरत महसूस होती है।

उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में कालीधर को बल्लू मिल गया। वह जितनी भी मुश्किलों में होता है, उसके जीवन में बल्लू आता है तो उसकी जिंदगी में खुशी आ जाती है। बल्लू से मिलने के बाद कालीधर की जिंदगी में बहुत बदलाव आता है।'

मधुमिता ने कहा कि अगर लोग इस फिल्म को देखकर पांच मिनट के लिए भी खुशी महसूस करते हैं तो यह फिल्म बनाने का उनका उद्देश्य पूरा हो जाएगा।

PAK सेंसर बोर्ड ने दिलजीत दोसांझ की फिल्म को दी मंजूरी, भारत में 'सरदार जी 3' नहीं होगी रिलीज

दिलजीत दोसांझ की पंजाबी फिल्म 'सरदार जी 3' विवादों में घिरी है। दरअसल, इस फिल्म में दिलजीत के अपोजिट पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आईं। इसी कारण से सारा विवाद खड़ा हुआ। पुलवामा अटैक के बाद एक नोटिस जारी किया गया था, जिसमें कहा गया था कि कोई भी भारतीय कलाकार, पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम नहीं करेगा। दिलजीत ने ऐसा नहीं किया। अब भारत में दिलजीत की फिल्म रिलीज नहीं होगी। इसी बीच पाकिस्तानी सेंसर बोर्ड ने दिलजीत की फिल्म को अपने यहां रिलीज करने की मंजूरी दे दी है।

पाकिस्तानी एग्जीबिटर-डिस्ट्रीब्यूटर ने जानकारी दी

पीटीआई के अनुसार कराची के सबसे बड़े फिल्म एग्जीबिटर नदीम मांडवीवाला ने इस बात की पुष्टि की है कि शुक्रवार को फिल्म 'सरदार जी 3' पाकिस्तान में रिलीज होगी। नदीम का कहना है, 'सेंसर बोर्ड ने फिल्म को मंजूरी दे दी है। जबकि पाकिस्तान में भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग पर बैन है। लेकिन फिल्म 'सरदार जी 3' के एक प्रोड्यूसर जैन वली पाकिस्तानी हैं।' एक अन्य पाकिस्तानी फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर सलीम शहजाद भी कहते हैं, 'फिल्म को स्क्रीनिंग के लिए मंजूरी इसलिए दी गई है, क्योंकि यह एक पंजाबी और इंटरनेशनल फिल्म है, इसे भारतीय फिल्म

का दर्जा नहीं दिया गया है।'

वली भी कहते हैं, 'सिंध, पंजाब (पाकिस्तान के हिस्से वाला) ने पाकिस्तानी सिनेमाघरों में फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए हरी झंडी दे दी है।'

हानिया आमिर ने भी सोशल मीडिया पोस्ट की

'सरदार जी 3' की पाकिस्तानी हीरोइन हनिया आमिर ने अपने सोशल मीडिया पेज पर फिल्म का एक पोस्टर भी शेयर किया। बताते चलें कि फिल्म की मेन प्रोडक्शन कंपनियों व्हाइट हिल स्टूडियोज और स्टोरी टाइम प्रोडक्शंस ने अभी तक अपने ऑफिशियल प्लेटफॉर्म पर 'सरदार जी 3' की पाकिस्तान रिलीज के बारे में कोई घोषणा नहीं की है।

दिलजीत ने भी फिल्म को लेकर ये कहा

फिल्म 'सरदार जी 3' के विवाद के बीच बीबीसी एशियन नेटवर्क से बातचीत में दिलजीत दोसांझ ने भी अपना पक्ष रखा है। वह कहते हैं, 'जब हमारी फिल्म बनी थी, तब सब कुछ ठीक था। हमने इसकी शूटिंग फरवरी में की थी और उस वक्त सिचुएशन नॉर्मल थी। इसके बाद बहुत सारी बड़ी चीजें हुईं जो हमारे कंट्रोल में नहीं थीं। देखिए फिल्म के प्रोड्यूसर्स ने फैसला किया कि अब ये फिल्म भारत में तो नहीं रिलीज होगी, तो इसे ओवरसीज में रिलीज किया जाएगा। प्रोड्यूसर्स का इस फिल्म में बहुत पैसा लगा हुआ है।'

'सितारे जमीन पर' को पूरा हुआ एक हफ्ता, 7वें दिन भी कमाई की रफ्तार बरकरार

फिल्म

आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' को बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक रेस्पॉन्स मिल रहा है। आज यानी गुरुवार को थिएटर में 7 दिन पूरे हो चुके हैं। यह फिल्म पिछले कुछ दिनों से एक जैसी कमाई ही कर रही है। जानिए, आज कितने करोड़ का कलेक्शन आमिर की फिल्म करने में कामयाब रही।

7वें दिन फिल्म का कलेक्शन

अब तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 'सितारे जमीन पर' ने 7वें दिन 5.41 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। जबकि बुधवार को इसने 7.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इस फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक 87.81 करोड़ रुपये हुआ है।

100 करोड़ की तरफ बढ़ती फिल्म

आमिर खान की इस फिल्म का बजट कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में 90 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। जिस तरह से यह फिल्म कमाई कर रही है, उससे लगता है कि वीकएंड तक 100 करोड़ क्लब में जरूर शामिल हो जाएगी और अपना बजट भी वसूल कर लेगी। इस वक्त आमिर खान की फिल्म के सामने टक्कर में कोई बड़ी फिल्म भी नहीं है। हा-उसफुल 5 की कमाई पहले ही काफी कम हो चुकी है और साउथ इंडियन फिल्म 'कुबेर' का कलेक्शन भी सामान्य ही है।

दर्शकों को इमोशनल करती है स्टोरी

'सितारे जमीन पर' फिल्म की कहानी में काफी इमोशनल एंगल है। इसमें आमिर खान ने एक कोच का रोल किया है। आमिर का किरदार फिल्म में स्पेशल चाइल्ड की एक बॉस्केटबॉल टीम को ट्रेनिंग देता है। फिल्म को आर.एस प्रसन्ना ने निर्देशित किया है। यह फिल्म स्पेनिश फिल्म 'चैंपियन(2018)' का रीमेक है।

जेनेलिया की भी हो रही चर्चा

'सितारे जमीन पर' में आमिर खान के अलावा जेनेलिया डिसूजा भी है। जेनेलिया के अभिनय की भी खूब तारीफ हो रही है। वह फिल्म में एक स्पॉर्क बनाए रखती हैं। इस फिल्म में जो स्पेशल चाइल्ड हैं, उन्होंने भी कमाल की एक्टिंग की है।

न्यूज इन ब्रीफ

पाकिस्तान को संवेदनशील जानकारी देने वाला नौसेना भवन का कर्मचारी गिरफ्तार

जयपुर : नयी दिल्ली स्थित नौसेना भवन में काम करने वाले एक कर्मचारी (अपर डिवीजन क्लर्क-यूडीसी) को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने पैसों के लिए एक पाकिस्तानी जासूस को संवेदनशील रक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध करवाई। राजस्थान पुलिस की खुफिया शाखा ने आरोपी विशाल यादव को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। जयपुर की एक स्थानीय अदालत ने बृहस्पतिवार को उसे 30 जून तक पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया। पुलिस महानिरीक्षक (सीआईडी-सुरक्षा) विष्णु कांत गुप्ता ने बृहस्पतिवार को बताया कि आरोपी यादव ने एक पाकिस्तानी जासूस को गोपनीय जानकारी साझा की जिसमें ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित विवरण शामिल है। इस कथित महिला जासूस ने खुद को भारतीय युवती प्रिया शर्मा बताया था।

भूस्खलन के कारण माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाला नया मार्ग अवरुद्ध

कटरा/जम्मू : जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाला नया मार्ग बारिश के कारण हुए भूस्खलन से बृहस्पतिवार को अवरुद्ध हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्रा पुराने मार्ग से सुचारू रूप से जारी है, जबकि बैटरी कार और हेलीकॉप्टर सेवा अभी भी निलंबित है। उन्होंने बताया कि हिमकोटि मार्ग पर सत्या व्यू प्वाइंट के निकट भूस्खलन उस समय हुआ जब तीर्थस्थल बोर्ड ने लगातार बारिश और नए मार्ग पर भूस्खलन के खतरे के कारण तीर्थयात्रा को पहले ही पुराने मार्ग से कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि भैरव मंदिर की ओर जाने वाला मार्ग भी भूस्खलन की चपेट में आ गया, जिससे तीर्थयात्रियों की आवाजाही बाधित हो गई। उन्होंने बताया कि संबंधित एजेंसियों ने दोनों रास्तों पर मलबा साफ करने के लिए अपने कर्मियों और मशीनों को लगा दिया है।

यूपीएससी आवेदन पत्रों में गलतियों को सुधारने के लिए खोलेगा सुधार 'विंडो'

नयी दिल्ली : संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) इस साल होने वाली एनडीए और एनए तथा सीडीएस परीक्षाओं के लिए भरे गए आवेदन पत्रों में उम्मीदवारों की गलतियों को सुधारने के लिए सुधार 'विंडो' खोलेगा। यूपीएससी द्वारा बृहस्पतिवार को जारी बयान के अनुसार, यह 'विंडो' तीन दिनों के लिए खुलेगी और इसमें एक बार सुधार का मौका मिलेगा। संयुक्त रक्षा सेवा (सीडीएस) परीक्षा-दो, 2025 और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और नौसेना अकादमी (एनए)-दो, 2025 की अधिसूचना 28 मई को जारी की गई और ये 14 सितंबर को आयोजित की जाएंगी। यूपीएससी ने कहा कि यह 'विंडो' उम्मीदवारों को अपने विवरण को संपादित करने और 'सामान्य आवेदन पत्र' और 'परीक्षा आवेदन पत्र' में आवश्यक सुधार करने का अवसर देगी।

भारतीय तटरक्षक बल में शामिल हुआ गश्ती पोत 'अदम्य'

नयी दिल्ली : भारतीय तटरक्षक बल के लिए बनाए जा रहे आठ पोतों की श्रृंखला में पहला और अत्याधुनिक तकनीक से लैस त्वरित गश्ती जहाज (एफपीवी) 'अदम्य' बृहस्पतिवार को समुद्री बल में शामिल कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बल ने एक बयान में कहा कि गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा पूरी तरह से डिजाइन और निर्मित यह पोत भारत की बढ़ती जहाज निर्माण क्षमता का उदाहरण है और देश के 'आत्मनिर्भर भारत' दृष्टिकोण की दिशा में एक बड़ी प्रगति को दर्शाता है। इसमें कहा गया है, ''भारतीय तटरक्षक बल ने आज गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में आठ पोतों की एफपीवी परियोजना के तहत पहला एफपीवी 'अदम्य' को शामिल कर समुद्री सुरक्षा और स्वदेशी जहाज निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया।''

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी, किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए : अमित शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि हिंदी किसी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि यह सभी भारतीय भाषाओं की सखी है और देश में किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए। केंद्र सरकार के आधिकारिक भाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने सभी राज्य सरकारों से चिकित्सा और इंजीनियरिंग शिक्षा स्थानीय भाषा में प्रदान करने की पहल करने भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सभी राज्य सरकारों को प्रशासनिक कामकाज में भारतीय भाषाओं का उपयोग करने में मदद

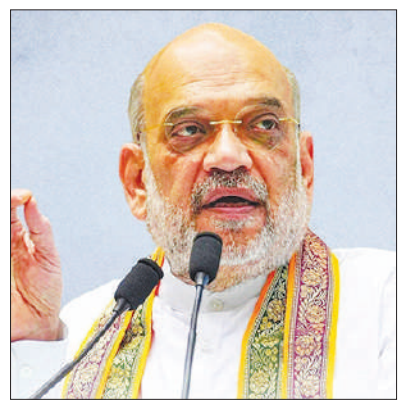

करेगा। गृह मंत्री ने कहा, ''मेरा पूर्ण विश्वास है कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं हो सकती। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी है।'' शाह ने कहा कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं मिलकर देश की संस्कृति के स्वाभिमान को और बढ़ा सकती हैं। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि गुलामी की मानसिकता से सभी को मुक्ति मिलनी चाहिए और जब तक कोई व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व नहीं करेगा या अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कहेगा, तब तक वह व्यक्ति गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, ''किसी भाषा का विरोध नहीं है। किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए। लेकिन अपनी भाषा का गौरव बढ़ाने की ललक होनी चाहिए, अपनी भाषा बोलने की ललक होनी चाहिए, अपनी भाषा में सोचने की ललक होनी चाहिए।'' शाह ने कहा कि जहां तक देश का सवाल है, भाषा सिर्फ संचार का माध्यम नहीं है, यह राष्ट्र की आत्मा है। शाह ने कहा, ''भारतीय भाषाओं को जीवंत रखना और उन्हें समृद्ध बनाना महत्वपूर्ण है। हमें आने वाले दिनों में सभी भारतीय भाषाओं, विशेषकर राजभाषा के लिए हरसंभव प्रयास करने चाहिए।''

ग्वालियर-बेंगलुरु सीधी रेल सेवा की शुरुआत, वैष्णव, यादव और सिंधिया ने दिखाई हरी झंडी

भोपाल : मध्यप्रदेश के ग्वालियर और कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के बीच बृहस्पतिवार को सीधी रेल सेवा की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने डिजिटल के माध्यम से 'ग्वालियर-एसएमवीटी बेंगलुरु' साप्ताहिक एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि इस रेल सेवा से ग्वालियर-चंबल अंचल को एक बड़ी ट्रेन सुविधा उपलब्ध हुई है। उन्होंने कहा, ''अब अंचल के लोग ग्वालियर से ट्रेन द्वारा सीधे बेंगलुरु पहुंच सकेंगे। युवाओं के लिये यह विशेष तौर पर सौगात है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साप्ताहिक रेल सेवा से आईटी के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को विशेष लाभ मिलेगा। यादव इस कार्यक्रम में जबलपुर से जुड़े जबकि वैष्णव नयी दिल्ली से और सिंधिया ग्वालियर से। यादव ने कहा कि केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश को रेलवे सुविधाओं के क्षेत्र में अनेक सौगातें दी हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य ने रेलवे के क्षेत्र में विकास के कई आयाम छुए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिवंगत माधवराव सिंधिया के समय से ग्वालियर-अंचल को रेल सुविधाओं का जो सिलसिला प्रारंभ हुआ है, उसी कड़ी में आज ग्वालियर से बेंगलुरु के लिये नयी ट्रेन सुविधा मिली है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ग्वालियर में शीघ्र ही मंत्रिमंडल की बैठक का आयोजन किया जाएगा। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि ग्वालियर-बेंगलुरु ट्रेन सेवा का शुरू होना ग्वालियर-चंबल अंचल के लिये 'बड़ी सौगात' है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि रेलवे के क्षेत्र में मध्यप्रदेश के लिये अनेक कार्य स्वीकृत किए गए हैं और पिछले वर्ष में ही 24 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं मध्यप्रदेश को प्रदान की गई हैं।

हैदराबाद के निकट महिला ने रेल पटरी पर चलाई कार, ट्रेन यातायात प्रभावित

हैदराबाद : हैदराबाद के बाहरी इलाके में बृहस्पतिवार सुबह एक महिला ने रेल की पटरियों पर कार चलाई, जिससे ट्रेन सेवाएं बाधित हुईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि महिला ने यहां शंकरपल्ली में

करीब आठ किलोमीटर तक कार चलाई। पुलिस के अनुसार महिला मानसिक रूप से परेशान लग रही थी और उसने कार रोकने पर पुलिसकर्मियों से झगड़ा करने की कोशिश की। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उसे काबू करके मेडिकल जांच के लिए भेज दिया। उन्होंने कहा कि महिला एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करती है। अधिकारी ने कहा कि रेलवे पुलिस घटना के संबंध में मामला दर्ज करेगी। रेलवे सूत्रों ने प्रारंभिक जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि दो मालगाड़ियां और दो यात्री ट्रेन लगभग 20 मिनट तक बाधित रहीं।

हिंदुओं की रक्षा करना अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी: ढाका में मंदिर को हुए नुकसान पर भारत

नयी दिल्ली : भारत ने ढाका में दुर्गा मंदिर को कथित तौर पर गिराए जाने की घटना की बृहस्पतिवार को निंदा करते हुए कहा कि हिंदुओं के साथ-साथ धार्मिक संस्थानों की रक्षा करना बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह भी कहा कि भारत बांग्लादेश के साथ सभी मामलों पर ऐसे माहौल में बातचीत करने के लिए तैयार है जो पारस्परिक रूप से लाभकारी वार्ता के लिए अनुकूल हो। उनकी यह टिप्पणी अगले साल बांग्लादेश के साथ गंगा जल संधि के संभावित नवीनीकरण को लेकर पूछे गए सवाल पर आई। जायसवाल ने मंदिर के कथित विध्वंस के लिए बांग्लाद-`शी अधिकारियों की आलोचना की।

उन्होंने कहा, ''हमें पता चला है कि चरमपंथी ढाका के खिलखेत में दुर्गा मंदिर को ध्वस्त करने की मांग कर रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''अंतरिम सरकार ने मंदिर को सुरक्षा प्रदान करने के बजाय इस घटना को अवैध भूमि उपयोग के रूप में पेश किया...और उन्होंने आज मंदिर को गिराने की अनुमति दी।'' उन्होंने कहा, ''इससे मूर्ति को स्थानांतरित करने से पहले ही नुकसान पहुंचा। हम इस बात से निराश हैं कि बांग्लादेश में ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं।'' जायसवाल ने इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह ''हिंदुओं, उनकी संपत्तियों और धार्मिक संस्थानों की रक्षा करे।'' सीमा के जरिए बांग्लादेशी निर्यात पर अंकुश लगाने के भारत के निर्णय के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ये उपाय ढाका की निष्पक्षता, समान व्यवहार और पारस्परिकता की अपनी खोज पर आधारित हैं। उन्होंने कहा, ''हम लंबे समय से बांग्लादेशी पक्ष के साथ लंबित मूल मुद्दों के समाधान का इंतजार कर रहे हैं। भारत द्वारा इन मुद्दों को पहले भी कई बैठकों में उठाया गया है, जिनमें वाणिज्य सचिव स्तर की वार्ता भी शामिल है।''

प्रसिद्ध हास्य कवि डॉ. सुरेन्द्र दुबे का निधन

रायपुर : छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध हास्य कवि एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. सुरेन्द्र दुबे का बृहस्पतिवार को यहां दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। कवि ने एक सरकारी अस्पताल में

अंतिम सांस ली। अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ स्मित श्रीवास्तव ने संवाददाताओं को बताया कि 72 वर्षीय दुबे को बुधवार तड़के दिल का दौरा पड़ने के बाद एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट (एसीआई) में भर्ती कराया गया था, जहां बृहस्पतिवार दोपहर उनका निधन हो गया। श्रीवास्तव ने बताया, ''बुधवार को उनकी एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की गई थी, जिसके बाद उनकी हालत स्थिर थी। शायद वह गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में थोड़ा विचलित थे। आज सुबह उन्हें वार्ड में शिफ्ट किया गया जिससे वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ सहज हो सकें। लेकिन, वहां भी वह विचलित थे और इस दौरान उनमें छटपटाहट थी।'' डॉक्टर श्रीवास्तव ने बताया कि आज दोपहर उन्हें दो बार दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उनका निधन हो गया। वर्ष 1953 में बेमेतरा जिले (तत्कालीन दुर्ग जिले) में जन्मे डॉ. सुरेन्द्र दुबे को 2010 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। डॉ. दुबे पेशे से आयुर्वेदिक चिकित्सक थे और लोगों के बीच 'हास्य कवि' के नाम से मशहूर थे।

हिमाचल प्रदेश में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हुई, लापता सात की तलाश जारी

शिमला/धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में बुधवार को अचानक आई बाढ़ से प्रभावित एक जलविद्युत परियोजना स्थल से दो और शव बरामद होने के साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कांगड़ा की अतिरिक्त उप मजिस्ट्रेट शिल्पा बेक्टा ने बताया कि बुधवार को दो शव बरामद किए गए, जबकि बृहस्पतिवार को दो और शव बरामद हुए। कांगड़ा की पुलिस अधीक्षक (एसपी) शालिनी अग्निहोत्री ने बृहस्पतिवार को बताया कि मृतकों की पहचान जम्मू-कश्मीर निवासी चैन सिंह, चंबा निवासी आदित्य ठाकुर और उत्तर प्रदेश निवासी प्रदीप वर्मा और चंदन के रूप में हुई है। कांगड़ा

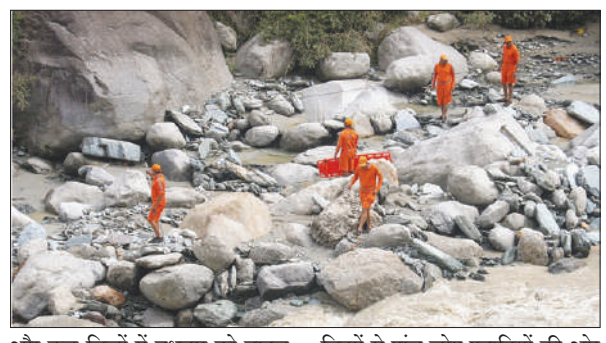

और कुल्लू जिलों में बुधवार को बादल फटने से आई बाढ़ के बाद से लापता सात लोगों की तलाश के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। परियोजना स्थल के निकट जंगल से बचाए गए चंबा जिले के लवली ने बताया कि शिविर में 13 लोग थे, जिनमें से पांच लोग पहाड़ियों की ओर भाग गए, जबकि शेष लोग तेज बहाव में बह गए। एक मजदूर दया किशन ने कहा, हमने बाढ़ को आते देखा और सुरक्षित स्थान पर भागने से पहले नीचे के लोगों को सचेत करने के लिए चिल्लाए।

कांग्रेस को आपातकाल लगाने के लिए माफी मांगनी चाहिए : आरएसएस

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने बृहस्पतिवार को मांग की कि कांग्रेस को 50 साल पहले इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल के लिए माफी मांगनी चाहिए। होसबाले ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि क्या दो शब्दों - समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष - को संविधान में बरकरार रखा जाए, जिन्हें आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा संविधान की प्रस्तावना में जोड़ा गया था। पच्चीस जून 1975 को घोषित आपातकाल के दिनों को

याद करते हुए होसबाले ने कहा कि उस दौरान हजारों लोगों को जेल में डाल दिया गया और उन पर अत्याचार किया गया, वहीं न्यायपालिका और मीडिया की स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगाया गया। आरएसएस नेता ने कहा कि आपातकाल के दिनों में बड़े पैमाने पर जबरन नसबंदी भी की गई। उन्होंने कहा, ''जिन लोगों ने ऐसी चीजें कीं, वे आज संविधान की प्रति लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने अभी तक माफी नहीं मांगी है... वे माफी मांगें।'' कांग्रेस पर हमला करते हुए होसबाले ने कहा, ''आपके पूर्वजों ने ऐसा किया... आपको इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।''

आरेडिका में राजभाषा विभाग द्वारा योग गोष्ठी का आयोजन

रायबरेली,समाज्ञा : आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका), रायबरेली में 25 जून 2025 को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह के अंतर्गत योग गोष्ठी का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक प्रशांत

कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र के नेतृत्व में आयोजित इस गोष्ठी में योगाचार्य अमित कुमार त्रिपाठी ने तन मन जीवन की सुंदर यात्रा लिए योग विषय पर विस्तृत चर्चा की।इस अवसर पर रमेश चन्द्र ने कहा, योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, अनुशासित और सकारात्मक दिशा देने का माध्यम है। योग के अष्टांगिक मार्ग के सिद्धांतों को अपनाकर हम न केवल व्यक्तिगत विकास कर सकते हैं, बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिंदल ने योग को भारत की अमूल्य देन बताया और सभी को योग को जीवनशैली में अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।आरेडिका के अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया और योग को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।

डिब्रूगढ़ में जल निकासी परियोजना के लिए 128 साल पुरानी मस्जिद गिराई गई

डिब्रूगढ़ (असम) : असम के डिब्रूगढ़ शहर में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए जल निकासी प्रणाली के निर्माण के वास्ते अधिकारियों ने 128 साल पुरानी चौलख-ोवा जामा मस्जिद को ध्वस्त कर दिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। डिब्रूगढ़ नगर निगम बोर्ड के आयुक्त जय विकास ने कहा कि डिब्रूगढ़ में कृत्रिम बाढ़ की समस्या के निदान के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला प्रशासन ने बोकुल से सेसा ब्रिज तक एक प्रमुख जल निकासी प्रणाली के निर्माण के लिए सोमवार को मस्जिद

को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा, ''मस्जिद गिराए जाने की कार्रवाई में भूमि अधिग्रहण सहित विधिक प्रक्रियाओं का पालन किया गया तथा अधिगृहीत भूमि के लिए मुआवजे की प्रक्रिया जारी है।'' विकास ने इस प्रक्रिया के दौरान सहयोग के लिए स्थानीय जनता का भी आभार जताया।

डीआरआई ने 'ऑपरेशन डीप मेनिफेस्ट' के तहत नौ करोड़ रुपये मूल्य का पाकिस्तानी सामान जब्त किया

नयी दिल्ली : राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने एक महत्वपूर्ण प्रवर्तन कार्रवाई के तहत दुबई के माध्यम से अवैध रूप से आयात किए जाने वाला पाकिस्तानी मूल का नौ करोड़ रुपये का सामान जब्त किया है। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि 'ऑपरेशन डीप मैनिफेस्ट' के तहत अबतक 1,115 टन माल ले जाने वाले 39 कंटेनर को जब्त किया गया है, जो आयात नीति की शर्तों और पाकिस्तानी मूल के सामानों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन पर सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का घोर उल्लंघन है। इसमें कहा गया है कि आयात करने वाली एक कंपनी के एक साझेदार को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। पहलगाम आतंकवादी हमलों के बाद सरकार ने पाकिस्तान से आने वाले या निर्यात किए जाने वाले सामान के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन पर दो मई, 2025 से व्यापक प्रतिबंध लगा दिया। मंत्रालय ने कहा कि पहले ऐसे सामान पर 200 प्रतिशत सीमा शुल्क लगता था। इन कड़े उपायों के बावजूद, कुछ आयातक, माल की उत्पत्ति के बारे में गलत जानकारी देकर और संबंधित दस्तावेजों में हेराफेरी करके सरकारी नीति को दरकिनार करने का प्रयास करते हैं। मंत्रालय ने कहा, दो अलग-अलग मामलों में, ये खेप न्हावा शेवा बंदरगाह पर जब्त की गई थी। इन खेपों को गलत तरीके से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आयातित बताया गया था। हालांकि, जांच से पता चला कि ये सामान वास्तव में पाकिस्तान से आया था और भारत में आयात के लिए दुबई के रास्ते भेजा गया था। जांच से पता चला कि माल को पहले एक कंटेनर और जहाज के जरिये पाकिस्तान से दुबई ले जाया गया और बाद में उसे भारत जाने वाले दूसरे कंटेनर और जहाज के जरिये भेज दिया गया।

कनाडा के साथ साझेदारी मजबूत करने पर विचार: भारत

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कनाडा यात्रा के कुछ दिनों बाद भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह व्यापार और ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में कनाडा के साथ द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने पर विचार कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने खालिस्तान समर्थक अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से संबंधित मामले का जिक्र करते हुए कहा, ''वह विशेष मामला अभी न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। इसलिए, हमें देखना होगा कि यह कैसे आगे बढ़ता है।'' जायसवाल से पूछा गया कि क्या निज्जर मामले के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में नरमी आई है। तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा 2023 में निज्जर की हत्या में संभावित भारतीय जुड़ाव के आरोपों के बाद भारत-कनाडा संबंधों में भारी गिरावट आई थी। प्रवक्ता ने पिछले सप्ताह कनाडा के कनानास्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ हुई बैठक का भी जिक्र किया।

उधमपुर में सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी को मार गिराया, तीन आतंकी अब भी घिरे

जम्मू : जम्मू कश्मीर में उधमपुर जिले के एक वन क्षेत्र में बृहस्पतिवार को सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकवादी को मार गिराया जबकि तीन अन्य आतंकी अब भी घिरे हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चार आतंकवादियों के इस समूह की पिछले एक वर्ष से तलाश की जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि सेना और पुलिस के एक संयुक्त खोज दल ने बृहस्पतिवार सुबह जिले में बसंतगढ़ के सुदूर बिहाली इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया, जिसके दौरान मुठभेड़ शुरू हुई। उन्होंने बताया कि इलाके में अतिरिक्त बलों को भेजा गया है

और खराब मौसम के बावजूद व्यापक तलाश अभियान चलाया जा रहा है। रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के अभियान में अब तक एक आतंकवादी को मार गिराया गया है। अभियान अभी जारी है। उन्होंने बताया, 'ऑपरेशन बिहाली' कोड नाम वाला यह अभियान ऐसे वक्त में शुरू किया गया है जब एक सप्ताह बाद कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं को बताया, ''आतंकवादियों का सुबह करीब साढ़े आठ बजे पता चला...माना जा रहा है कि उनकी संख्या चार है और हम इस समूह को पिछले एक साल से ढूंढ रहे थे।'' उन्होंने बताया कि कोहरा होने के बावजूद तलाश अभियान जारी है और मौसम में सुधार होने के बाद ही असल स्थिति का पता चलेगा। अधिकारियों ने बताया कि जिन आतंकवादियों को घेरा गया है, वे पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य हैं और सेना के पैरा कमांडो की अगुवाई में संयुक्त तलाश दल ने करूर नाला के पास उन्हें छिपे हुए पाया। इससे पहले, सुबह जम्मू स्थित सेना की 'व्हाइट नाइट कोर' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, ''एक सटीक सूचना के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने बसंतगढ़ के बिहाली इलाके में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। आतंकवादियों से सामना हुआ। अभियान अभी जारी है।''

उत्तराखंड : बदरीनाथ जा रही मिनी बस अलकनंदा नदी में गिरी, तीन लोगों की मौत, नौ लापता

रुद्रप्रयाग : उत्तराखंड में श्रद्धालुओं को लेकर बदरीनाथ जा रही एक मिनी बस बृहस्पतिवार को रुद्रप्रयाग और गौचर के बीच अनियंत्रित होकर उफनाई अलकनंदा नदी में समा गयी जिसके कारण उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गयी तथा नौ अन्य लोग लापता हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा रुद्रप्रयाग और गौचर के बीच घोलतीर गांव के पास सुबह लगभग साढ़े सात बजे हुआ। हादसे के समय 31 यात्रियों की क्षमता वाली मिनी बस में महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश और राजस्थान के श्रद्धालुओं और चालक समेत कुल 20 लोग सवार थे। रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक अक्षय कोंडे ने बताया कि तीन श्रद्धालुओं के शव बरामद हो गए हैं और हादसे में आठ लोग घायल हैं। उन्होंने बताया कि लापता लोगों की

तलाश के लिए पुलिस, राज्य आपदा प्रतिवादन बल की मदद से अभियान चलाया जा रहा है। बचाव दलों ने बताया कि हादसे के दौरान मिनी बस में सवार कुछ श्रद्धालु पहाड़ी पर ही छिटक कर घायल हो गए थे जिन्हें उपचार के लिए निकटवर्ती अस्पताल भेजा गया है। चार घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हेली एंबुलेंस से एम्स-ऋषिकेश के लिए भेज दिया गया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-ऋषिकेश भेजे गए हरिद्वार के कनखल निवासी बस चालक सुमित ने दावा किया कि विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक द्वारा टक्कर मारे जाने के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई की तरफ चली गयी।

लीड्स की हार का सकारात्मक पहलू: बल्लेबाजी में बदलाव पटरी पर

नयी दिल्ली: महज एक मैच से ही कोई फैसला नहीं लिया जा सकता लेकिन भारत ने निश्चित रूप से इंग्लैंड के खिलाफ शुरूआती टेस्ट में संन्यास ले चुके सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा की कमी महसूस नहीं की और शीर्ष चार खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत बनाए रखा। रोहित और कोहली की कमी को पूरा करने में कितना समय लगेगा? यह सवाल हेडिंग्ले में शूआती टेस्ट से पहले चर्चाओं का विषय रहा। नए कप्तान शुभमन गिल के सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में रिकॉर्ड पर सवाल उठाए गए थे लेकिन उन्होंने महत्व-पूर्ण योगदान करके ड्रेसिंग रूम का सम्मान हासिल किया। उन्होंने नंबर चार पर खेलते हुए शानदार शतक बनाया और मेहमान टीम ने दो पारियों में पांच शतक बनाए लेकिन फिर भी मैच हार गए क्योंकि भारत का गेंदबाजी आक्रमण पूरी तरह से जसप्रीत बुमराह पर निर्भर है। केएल राहुल ने शीर्ष क्रम में शानदार प्रदर्शन किया जिससे निकट भविष्य के लिए उनके बल्लेबाजी स्थान पर बहस बंद हो गई। उन्होंने दिखाया कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने का तरीका क्या है। उनके सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे की शुरुआत में यादगार शतक लगाया था और इंग्लैंड में अपनी पहली पारी में यही दोहराया। गिल ने जिस तरह से अपने पैरों का इस्तेमाल किया, उसे खेल के महान खिलाड़ियों ने भी देखा जिसमें पूर्व कप्तान सौरव गांगुली भी शामिल थे जो उनके सुधार से हैरान थे। गांगुली ने हाल में पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'मैं विदेशी सरजमीं पर उनके पैरों के 'मूवमेंट' को देखकर बहुत खुश हूं। उनके पैरों में बहुत सुधार हुआ है। शुभमन ने पैरों का अच्छा इस्तेमाल किया और कोई गलती नहीं की।' पांचवें नंबर पर ऋषभ पंत ने परिपक्वता और तेज तर्रार बल्लेबाजी करते हुए एक टेस्ट में दो शतक बनाने की दुर्लभ उपलब्धि हासिल की। तीसरे नंबर पर उतरे साई सुदर्शन पहली पारी में एक सहज गेंद पर आउट हो गए लेकिन दूसरी पारी में टिककर खेले। उम्मीद है कि उन्हें लंबे समय तक मौका दिया जाएगा और यही बात करुण नायर पर भी लागू होती है।

सूर्यकुमार का जर्मनी में खेल हर्निया का सफल आपरेशन

नयी दिल्ली: भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का जर्मनी के म्युनिख में पेट के दायें ओर खेल हर्निया का सफल आपरेशन हुआ। 34 वर्ष के सूर्यकुमार ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया हैंडिल पर लिखा ,'लाइफ अपडेट : पेट के निचले दायें ओर खेल हर्निया की सर्जरी हो गई है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सफल आपरेशन के बाद अब मैं रिकवरी की राह पर हूं।'' खेल हर्निया कमर या पेट के निचले हिस्से में नरम ऊतकों की चोट है जिसमें अक्सर मांसपेशियां, कंडराएं या स्नायुबंधन शामिल होते हैं। जर्मनी में सर्जरी के बाद सूर्यकुमार बेंगलुरू में बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र पर रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे। भारत को अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं। सूर्यकुमार ने 2023 विश्व कप फाइनल के बाद से 50 ओवरों के प्रारूप में नहीं खेला है। यह तीन साल में सूर्यकुमार का तीसरा आपरेशन था। इससे पहले 2023 में उनके टखने का आपरेशन हुआ था और 2024 में खेल हर्निया की भी सर्जरी हुई थी। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले सूर्यकुमार 2025 सत्र में 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' रहे थे। उन्होंने 717 रन बनाये हालांकि मुंबई इंडियंस को प्लेआफ में दूसरे क्वालीफायर में पंजाब किंग्स ने हराया।

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए जोफ्रा आर्चर को टीम में शामिल किया

बर्मिंघम: इंग्लैंड ने दो जुलाई से भारत के खिलाफ यहां शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट के लिए बृहस्पतिवार को तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को टीम में शामिल किया। आर्चर पिछले कई वर्षों से अपने गेंदबाजी वाले हाथ में कोहनी से जुड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं। उन्होंने अपना पिछला टेस्ट चार साल से भी अधिक समय पहले भारत के खिलाफ अहमदाबाद में खेला था। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बयान में कहा, 'दाएं हाथ का यह 30 वर्षीय तेज गेंदबाज फरवरी 2021 के बाद पहली बार इंग्लैंड के टेस्ट ढांचे में वापसी कर रहा है और अगले हफ्ते एजबस्टन में अपने 13 टेस्ट मैच की संख्या में इजाफा करने की कोशिश करेगा।' लीड्स में पहले टेस्ट में पांच विकेट की जीत के बाद इंग्लैंड पांच मैच की श्रृंखला में 1-0 से आगे चल रहा है। इंग्लैंड की टीम इस प्रकार है: बेन स्टोक्स (कप्तान), ओली पोप, हैरी ब्रूक, जो रूट, बेन डकेट, जैक क्रॉली, जेमी स्मिथ, सैम कुक, जैकब बेथेल, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर, ब्राइडन कार्स, जेमी ओवरटन, जोश टंग और क्रिस वोक्स।

शिखर धवन बने लेखक, अपने संस्मरण लिखे

नयी दिल्ली: भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अपने जीवन के संस्मरणों को कलमबद्ध किया है जिसमें रिश्तों से लेकर दोस्ती तक और मैदान के भीतर तथा बाहर के विवादों पर भी खुलकर बात की है। धवन ने अपनी किताब 'द वन : क्रिकेट , माय लाइफ एंड मोर' के बारे में कहा ,'क्रिकेट ने मुझे जीने का मकसद दिया लेकिन इस सफर में उतार चढाव और खामोश पल भी रहे। इसने मुझे वह इंसान बनाया जो आज मैं हूं। मैं दिल से अपनी कहानी कह रहा हूं जो ईमानदार और किसी फिल्टर के बिना है।'प्रकाशक हार्पर कोलिंस इंडिया ने कहा ,'पूरी स्पष्टवादिता और ईमानदारी के साथ लिखी गई 'द वन' शिखर धवन के आंतरिक संवाद और उन सभी कमजोरियों की अभूतपूर्व झलक पेश करती है जिन्होंने उन्हें एक चैंपियन क्रिकेटर और संवेदनशील इंसान बनाया है।' कंपनी के प्रकाशक सचिन शर्मा ने कहा ,'शिखर धवन का मैदान के भीतर और बाहर जीवन शानदार रहा है। इस संस्मरण में शिखर ने अपने जीवन, रिश्तों और हर उस अनुभव के बारे में बात की है जिसका उन्होंने सामना किया और मजबूत होकर निकले हैं।' दिल्ली में पले बढे धवन ने बतौर विकेटकीपर शुरूआत की थी लेकिन बाद में सलामी बल्लेबाज बने। भारत के लिये 34 टेस्ट में उन्होंने 2315 रन, 167 वनडे में 6793 रन और 68 टी20 मैचों में 1759 रन बनाये हैं। उन्होंने किताब में लिखा ,'जब मैं भारतीय टीम में अपने की कोशिश कर रहा था तब सोशल मीडिया नया था और क्रिकेटरों पर इतनी नजर नहीं रखी जाती थी। लेकिन प्रिंट और प्रसारण मीडिया चरम पर था।' उन्होंने लिखा ,'टीम चयन और व्यक्तिगत प्रदर्शन पर चर्चा होती थी और लोग पढते थे। आजकल की तरह नहीं जब सोशल मीडिया रातोरात क्रिकेटर को हीरो से जीरो बना देता है।' धवन ने महेंद्र सिंह धोनी से पहली मुलाकात के बारे में लिखा है ,'मैं उसे एक बॉलीवुड मूवी में देखना चाहता था। वह फिल्म स्टार की तरह दिखता था। लंबे बाल और आकर्षक मुस्कान। हम आपस में बात कर रहे थे और मैने उससे कहा कि मैं भारत के लिये खेलना चाहता हूं और मैं चाहता हूं कि तुम बॉलीवुड हीरो बनो। वह बहुत हंसने लगा।'

आईसीसी ने नए डब्ल्यूटीसी चक्र में 'स्टॉप क्लॉक' शुरू की

दुबई: अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने धीमी ओवर गति की समस्या से निपटने के लिए टेस्ट क्रिकेट में 'स्टॉप क्लॉक' नियम लागू किया है जबकि 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के खेलने की परिस्थितियों के अनुसार अगर 'जानबूझकर' पूरा रन नहीं लिया जाता तो यह फैसला क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम करेगी कि कौन सा बल्लेबाज गेंदबाज का सामना करेगा। यह नए नियम 2025-2027 डब्ल्यूटीसी चक्र से लागू होंगे जिसकी शुरुआत श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉल में पहले टेस्ट के साथ हुई थी। आईसीसी की वेबसाइट पर मौजूद टेस्ट मैच की खेलने की परिस्थितियों के अनुसार सीमित ओवरों के क्रिकेट की तरह लंबे प्रारूप में भी धीमी ओवर गति की समस्या से निपटने के लिए स्टॉप क्लॉक का इस्तेमाल किया जाएगा। आईसीसी ने कहा, 'क्षेत्ररक्षण टीम को पिछला ओवर पूरा होने के 60 सेकेंड के भीतर अगला ओवर शुरू करने के लिए तैयार होना होगा।

भारत ने एशियाई स्क्वाश युगल चैंपियनशिप में सभी तीनों खिताब जीते

कुआलालंपुर: भारत ने बृहस्पतिवार को यहां दूसरी एशियाई स्क्वाश युगल चैंपियनशिप में पुरुष, महिला और मिश्रित स्पर्धा के सभी तीनों खिताब जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार की शीर्ष वरीय पुरुष जोड़ी ने पाकिस्तान के प्रतिद्वंद्वी नूर जमां और नासिर इकबाल की जोड़ी के खिलाफ पहला सेट गंवा दिया लेकिन वापसी करते हुए 88 मिनट में 2-1 (9-11, 11-5, 11-5) से जीत दर्ज की। इस भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल में हांगकांग के चि हिम वोंग और मिंग होंग टांग की जोड़ी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। महिला युगल फाइनल में जोशना चिनप्पा और अनाहत सिंह की जोड़ी ने भी एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी की और मलेशिया की आइना अमानी और जिन यिंग यि पर 35 मिनट तक चले फाइनल में 2-1 (8-11, 11-9, 11-10) से जीत हासिल की। वहीं मिश्रित युगल फाइनल में अभय और अनाहत की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने मलेशिया के राशेल अर्नाल्ड और अमीशेनराज चंदारन को 28 मिनट में 2-0 (11-9, 11-7) से हराकर भारत को क्लीन स्वीप करने में मदद की। इस प्रक्रिया में अभय और अनाहत ने चैंपियनशिप में अपना दूसरा खिताब हासिल किया।

शोआन गांगुली ने राष्ट्रीय मीट रिकॉर्ड बेहतर किया, कर्नाटक पहले स्थान पर रहा

भुवनेश्वर: शोआन गांगुली ने सीनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप के पांचवें और अंतिम दिन 400 मीटर मेडले में अपना राष्ट्रीय मीट रिकॉर्ड बेहतर किया जिसमें कर्नाटक कुल 41 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा। कर्नाटक के गांगुली ने 400 मीटर मेडले में 4:24.64 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया जबकि अद्वेत पेज 4:26.90 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि मध्य प्रदेश के आर्यन नेहरा 4:30.35 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की 800 मीटर फ्रीस्टाइल में दिल्ली की भाव्या सचदेवा ने 9:09.67 के साथ स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद तेलंगाना की वृत्ति अग्रवाल (9:18.16) और महाराष्ट्र की अदिति सतीश हेगड़े (9:18.20) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। टूर्नामेंट के 78वें चरण में कर्नाटक ने 16 स्वर्ण, 11 रजत और 14 कांस्य सहित कुल 41 पदक जीते। तमिलनाडु 16 पदक (8 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य) के साथ दूसरे स्थान पर जबकि महाराष्ट्र 17 पदक (4 स्वर्ण, 5 रजत और 4 कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर रहा। महाराष्ट्र के ऋषभ दास पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में 56.13 सेकेंड के साथ पहले स्थान पर रहे जबकि कर्नाटक के उत्कर्ष पाटिल (56.29) और आकाश मणि (56.35) की जोड़ी क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रही। महिलाओं की 100 मीटर बैकस्ट्रोक में कर्नाटक की विहिता लोगनाथन ने 1:05.18 सेकेंड के साथ स्वर्ण पदक जीता। उसके बाद बंगाल की सौब्रीति मोंडल (1:05.19) और ओडिशा की प्रत्याशा रे (1:05.64) ने दूसरा स्थान हासिल किया।

जांच के दौरान करदाताओं से प्रासंगिक सवाल ही पूछें आयकर अधिकारी : सीबीडीटी

नयी दिल्ली : केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने देशभर में आयकर विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे करदाताओं के रिटर्न की जांच और मूल्यांकन के लिए नोटिस जारी करते समय 'उचित सोच' सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, सीबीडीटी ने इस बात पर जोर दिया है कि सभी प्रश्न 'प्रासंगिक' और 'विशिष्ट' होने चाहिए। प्रत्यक्ष कर प्रशासन के लिए नीति-निर्माण निकाय ने विभाग के सभी क्षेत्र प्रमुखों (पीसीसीआईटी या आयकर के प्रधान मुख्य आयुक्त) से भी कहा है कि वे अपने मूल्यांकन अधिकारियों पर 'प्रभावी निगरानी' रखें और सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा करदाताओं को भेजे गए प्रश्न 'उचित' हों और 'अप्रासंगिक' प्रश्नों से पूरी तरह बचा जाए। पीटीआई-भाषा को सीबीडीटी के चेयरमैन रवि अग्रवाल के कार्यालय द्वारा पीसी-सीआईटी को भेजे गए पत्र की प्रति मिली है। इसमें निर्देश दिया गया है कि एफएओ (फेसलेस असेसिंग ऑफिसर) द्वारा करदाताओं को भेजे जाने वाले प्रश्न संबंधित मामले की विशिष्ट परिस्थितियों के अनुसार 'प्रासंगिक', 'विशिष्ट' और 'आधारित' होने चाहिए। पत्र में कहा गया है कि मूल्यांकन इकाई प्रमुख (आयकर के अतिरिक्त या संयुक्त आयुक्त) ऐसे नोटिस और मूल्यांकन आदेश की गुणवत्ता के लिए 'प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार' होंगे, क्योंकि इसमें उन्हें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि प्रश्न उठाते समय एफएओ द्वारा 'उचित विवेक' का प्रयोग किया जाए। सीबीडीटी ने पर्यवेक्षी अधिकारियों से व्यक्तिगत सहयोग मांगा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मूल्यांकन अधिकारियों द्वारा उठाए गए प्रश्न, जांच प्रक्रिया के तहत आने वाले मामलों के लिए हाल ही में जारी किए गए चयन मानदंडों के अनुरूप हों। इसमें कहा गया है कि कर निर्धारण अधिकारी द्वारा भेजे गए प्रश्न 'उचित' होने चाहिए तथा प्रत्यक्ष कर कानून एवं नियमों में निर्दिष्ट 'स्पष्ट विचार' को प्रदर्शित करना चाहिए। सीबीडीटी ने पी-सीसीआईटी को यह भी निर्देश दिया है कि वे समय-समय पर कर निर्धारण अधिकारियों के साथ बातचीत करें, इन निर्देशों को दो-हराएं तथा हर महीने समीक्षा करें ताकि यह पता चल सके कि दिशानिर्देशों का पालन किया जा रहा है या नहीं।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन उछाल, सेंसेक्स 1,000 अंक चढ़ा

मुंबई : भू-राजनीतिक तनाव कम होने और चुनिंदा बड़ी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार बृहस्पतिवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में जहां 1,000 अंक का जोरदार उछाल आया, वहीं निफ्टी 304 अंक चढ़ गया। विश्लेषकों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी तनाव शांत होने और घरेलू स्तर पर उपजे आशावाद ने निवेशकों की धारणा को मजबूती दी। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में मजबूती के रुख से भी तेजी को समर्थन मिला। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,000.36 अंक यानी 1.21 प्रतिशत बढ़कर 83,755.87 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,056.58 अंक चढ़कर 83,812.09 अंक तक पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी भी 304.25 अंक यानी 1.21 प्रतिशत बढ़कर 25,549 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, इटर्नल, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक के शेयरों में प्रमुख रूप से तेजी रही। इसके उलट ट्रेंट, भारतीय स्टेट बैंक, टेक महिंद्रा, मारुति और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में गिरावट का रुख देखने को मिला। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'पश्चिम एशिया में युद्धविराम के बाद मानक सूचकांक ने निवेशकों के तगड़े भरोसे को दर्शाया। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली लगातार जारी है, लेकिन घरेलू संस्थागत निवेशक घरेलू खपत बढ़ने और नकदी की स्थिति सुधरने से शुद्ध खरीदार बने हुए हैं।' व्यापक बाजार में बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.56 प्रतिशत की तेजी रही जबकि स्मॉलकैप 0.12 प्रतिशत चढ़ गया। क्षेत्रवार सूचकांकों में से धातु खंड में सर्वाधिक 2.28 प्रतिशत की तेजी रही जबकि तेल एवं गैस खंड में 1.88 प्रतिशत और ऊर्जा खंड में 1.68 प्रतिशत की बढ़त रही।

रुपया 36 पैसे की बढ़त के साथ 85.72 प्रति डॉलर पर

मुंबई : अमेरिकी डॉलर में भारी गिरावट और घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती के रुख बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 36 पैसे की मजबूती के साथ 85.72 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ईरान और इजराइल के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद वैश्विक बाजारों में जोखिम उठाने की क्षमता में वृद्धि से भी रुपये की धारणा को बल मिला। घरेलू बाजारों में लगभग एक प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि अमेरिकी डॉलर 97 के स्तर पर आ गया।

ग्राहक सत्यापन नियम के उल्लंघन के लिए एयरटेल पर 6.48 लाख रुपये का जुर्माना

नयी दिल्ली : दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने असम सर्किल में ग्राहक सत्यापन नियमों के उल्लंघन के लिए भारती एयरटेल को 6.48 लाख रुपये के जुर्माने का नोटिस भेजा है। भारती एयरटेल ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वह इसके सुधार और नोटिस की वापसी के लिए उचित कार्रवाई करेगी। कंपनी को 25 जून को 'दूरसंचार विभाग, असम एलएसए' से 'ग्राहक सत्यापन मानदंडों के कथित उल्लंघन के लिए 6,48,000 रुपये का जुर्माना लगाने' का नोटिस मिला।

अमेरिका से अगले दौर की व्यापार वार्ता के लिए भारतीय दल वाशिंगटन पहुंचा

नयी दिल्ली : अमेरिका के साथ अगले दौर की व्यापार वार्ता के लिए भारत की तरफ से मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल की अगुवाई वाला दल वाशिंगटन पहुंच गया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह दौरा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों देश अंतरिम व्यापार समझौते के लिए बातचीत कर रहे हैं और नौ जुलाई से पहले समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, कृषि और डेयरी जैसे क्षेत्रों में चुनौतियां हैं। अधिकारी ने कहा, भारतीय टीम दो दिवसीय व्यापार वार्ता के लिए वाशिंगटन में है। अग्रवाल वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव हैं। दो अप्रैल को अमेरिका द्वारा घोषित उच्च आयात शुल्क को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने नौ जुलाई तक के लिए निलंबित कर दिया था। दो अप्रैल को अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त जवाबी शुल्क लगाया था, लेकिन इसे 90 दिन के लिए स्थगित कर दिया। हालांकि, अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत का मूल शुल्क अब भी लागू है। भारत अतिरिक्त 26 प्रतिशत शुल्क से पूरी छूट चाहता है। कृषि और डेयरी क्षेत्र भारत के लिए अमेरिका को शुल्क रियायतें देने के लिए कठिन और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण एक बार फिर 20 लाख करोड़ रुपये के पार

नयी दिल्ली : रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में बृहस्पतिवार को करीब दो प्रतिशत की तेजी आई और कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) एक बार फिर 20 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। बीएसई पर कंपनी का शेयर 1.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,495.20 रुपये पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 2.14 प्रतिशत चढ़कर 1,498.70 रुपये पर पहुंच गया था। एनएसई पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 1.90 प्रतिशत चढ़कर 1,495.30 रुपये पर पहुंच गया। इससे कंपनी का बाजार मूल्यांकन 37,837.9 करोड़ रुपये बढ़कर 20,23,375.31 करोड़ रुपये हो गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 1,000.36 अंक बढ़कर 83,755.87 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 304.25 अंक मजबूत होकर 25,549 अंक पर बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) पिछले साल 13 फरवरी को 20 लाख करोड़ रुपये का बाजार पूंजीकरण हासिल करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई थी।

भारत छह-सात साल में ऊर्जा का शुद्ध निर्यातक बन जाएगा: गडकरी

नयी दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अगले छह से सात साल में ऊर्जा का शुद्ध निर्यातक बन जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, आज हम ऊर्जा के आयातक हैं, लेकिन छह से सात साल के भीतर हम ऊर्जा के निर्यातक बन जाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है। उन्होंने कहा कि सरकार एथनॉल, बायोडीजल, इलेक्ट्रिक वाहन और हाइड्रोजन जैसे वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन को प्रोत्साहित कर रही है। गडकरी ने कहा कि ईंधन बदलने से न केवल प्रदूषण कम होगा बल्कि लॉजिस्टिक लागत भी कम होगी। उन्होंने कहा कि नई सड़कें बनाने और ईंधन में बदलाव से हमारी लॉजिस्टिक लागत एकल अंक में होगी और चालू वर्ष के अंत तक घटकर नौ प्रतिशत तक आ जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि नई सड़कें बनाने और ईंधन में बदलाव से आपकी लॉजिस्टिक्स लागत एकल अंक में यानी नौ प्रतिशत पर आ जाएगी और यह इस साल के अंत तक होगा। मंत्री ने कहा कि नवीनतम सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारत की लॉजिस्टिक लागत में छह प्रतिशत की कमी आई है। गडकरी ने कहा, आज दुनिया में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में चीन में लॉजिस्टिक लागत आठ प्रतिशत है, अमेरिका और यूरोपीय देशों में यह 12 प्रतिशत है और भारत में यह 16 प्रतिशत है, लेकिन अब चीजें तेजी से आगे बढ़ रही हैं। मंत्री ने वैकल्पिक ईंधन या जैव ईंधन अपनाने की भी अपील की और कहा कि यह आर्थिक रूप से व्यवहार्य है।

महाकुंभ मेले के बाद अब पुरी रथ यात्रा में सेवा देगा अदाणी समूह

पुरी : अदाणी समूह भारत के सबसे प्रतिष्ठित धार्मिक आयोजन में से एक ओडिशा के पुरी में रथ यात्रा में सेवा देगा। इस वर्ष की शुरुआत में समूह ने प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान लोगों को भोजन कराने की अपनी स्वयंसेवी पहल की थी। पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली नौ दिवसीय रथ यात्रा में देशभर से लाखों तीर्थयात्री शामिल होते हैं। समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी का मानना है कि 'सेवा ही साधना है' और इसी को ध्यान में रखते हुए अदाणी समूह 26 जून से आठ जुलाई तक रथ यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों और अग्रिम पंक्ति के अधिकारियों दोनों का समर्थन करने के लिए व्यापक सेवा शुरू कर रहा है।

वर्ष 10, पूर्णांक 3279 अंक 089, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in